दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
● नई दिल्ली। शनिवार 02 अगस्त-2025 ● वर्ष : 10 अंक : 224 पेज-09 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

बिहार की नई वोटर लिस्ट जारी, 65 लाख नाम कटे

पटना। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन के बाद ड्रॉफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए गए गहन विशेष पुनरीक्षण के बाद इस लिस्ट को तैयार किया गया है। पुनरीक्षण के दौरान पूरे राज्य में इछड ने घर-घर जाकर वोटरों की जांच की। जिसके बाद लाखों मृत और प्रवासी वोटरों की जानकारी सामने आई। निर्वाचन आयोग ने जांच के बाद लाखों वोटरों का नाम ड्रॉफ्ट वोटर लिस्ट से हटा दी है। दावा-आपत्ति के लिए एक महीने का समय दिया गया है। एक महीने की समय सीमा पूरा होने के बाद फाइनल वोटर लिस्ट जारी होगी। जिससे राज्य के आगामी सभी चुनावों में वोटर अपने मत का उपयोग करेंगे।

निर्वाचन आयोग द्वारा वेबसाइट पर जारी की गई बिहार की ड्रॉफ्ट वोटर लिस्ट से यह जानकारी मिली है कि रक्फ़प्रक्रिया के दौरान बिहार में करीब 65.64 लाख वोटरों के नाम कटे। चुनाव आयोग के बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन के पहले चरण के आंकड़े के अनुसार, कुल मतदाताओं की संख्या घटकर 7.24 करोड़ रह गई है, जबकि पहले यह आंकड़ा 7.89 करोड़ था। यानी करीब 65.64 लाख मतदाताओं के सूची से हटाए गए हैं।

विपक्षी दलों ने वोटबंदी बता किया है विरोध

हालांकि निर्वाचन आयोग के इस पुनरीक्षण का बिहार के विपक्षी दलों ने विरोध किया है। विपक्षी दलों ने इस अभियान को वोटबंदी करार दिया है। इस मामले में विपक्षी दलों के साथ-साथ कई संस्थाएं भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुकी है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया के दौरान सबसे अहम बात यह है कि रक्फ़ की प्रक्रिया से बिहार में कितने वोटरों के नाम कटे। ड्रॉप्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद यह जानकारी सामने आ गई है।

‘माले गांव ब्लास्ट पर देरी से आए निर्णय ने जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर खड़ा कर दिया है बड़ा प्रश्न’ : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। माले गांव बम ब्लास्ट में साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित सहित सातों आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। यह केस इस लिए महत्वपूर्ण था क्योंकि इसमें एक साध्वी और एक फौज के कार्यरत कर्नल सहित कई लोगों को बम धमाके का आरोपी बनाया गया था। इस बम धमाके में 6 लोग मारे गए थे और 100 घायल बताए गए थे। दूसरी महत्वपूर्ण तथ्य ये था कि इस घटना को आधार बनाकर तत्कालीन गृह मंत्री ने हिन्दू आतंकवाद का सिद्धांत प्रतिपादित किया था और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने इस्लामिक आतंकवाद से ज्यादा खतरनाक हिन्दू आतंकवाद को बताया था।

न्यायालय द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने के बाद हिन्दू आतंकवाद की थ्योरी धराशाही हो गई है। न्यायालय ने अपने निर्णय में जांच एजेंसी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों की विश्वसनीयता को न स्वीकार करते हुए अभियुक्तों को बरी कर दिया। न्यायालयों में प्रतिदिन अनेक अभियोगो में अभियुक्त बरी भी होते हैं और सजा भी पाते हैं। यह मामला अन्य मामलों से इस अर्थ में भिन्न है क्योंकि जांच एजेंसी ने पहले पाकिस्तान प्रायोजित

“ महत्वपूर्ण तथ्य ये था कि इस घटना को आधार बनाकर तत्कालीन गृह मंत्री ने हिन्दू आतंकवाद का सिद्धांत प्रतिपादित किया था और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने इस्लामिक आतंकवाद से ज्यादा खतरनाक हिन्दू आतंकवाद को बताया था।

“ न्यायालय द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने के बाद हिन्दू आतंकवाद की थ्योरी धराशाही हो गई है। न्यायालय ने अपने निर्णय में जांच एजेंसी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों की विश्वसनीयता को न स्वीकार करते हुए अभियुक्तों को बरी कर दिया।

“ इस केस का गंभीर पक्ष ये भी है कि अगर जांच एजेंसी नया नैरेटिव गढ़ने के लिए कुछ लोगों को झूठा गिरफ्तार कर लेते हैं और उन्हें 8 वर्ष तक कारगर की यातना सहते हुए 17 वर्ष बाद न्यायालय द्वारा निर्दोष घोषित हुए तो ये एक गंभीर मामला है। जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगा है।

आतंकवादी घटना मानकर जिन लोगों को पकड़ा था (जिनमें सभी मुस्लिम थे) उनको छोड़ दिया और जांच एजेंसी एटीएस ने साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। और इनकी गिरफ्तारी के बाद ही हिंदू आतंकवाद का शिगूफा छोड़ा गया था। इस केस में जांच एटीएस ने की थी जिसके चीफ हेमंत करकरे थे। जांच के दौरान साध्वी प्रज्ञा सहित सभी आरोपियों को कठोर प्रताड़ना दिए जाने के आरोप लगे थे।

ये हेमंत करकरे वही पुलिस अधिकारी हैं जिनकी बम्बई बम धमाकों में आतंकवादी अब्दुल कसाब से हुई मुठभेड़ में मारे गए थे। इस केस में एक तथ्य और उल्लेखनीय है कि कर्नल पुरोहित सेना के सेवारत अधिकारी थे और उनकी इस केस में गिरफ्तारी के बाद भी उन्हें निलंबित नहीं किया गया था और 8 वर्ष बाद जमानत मिलने पर पुनः ड्यूटी पर ले लिया गया था।

कर्नल पुरोहित सेना के इंटेलिजेंस विंग में तैनात थे और सेना ने उन्हें कभी दोषी नहीं माना।

इस केस का गंभीर पक्ष ये भी है कि अगर जांच एजेंसी नया नैरेटिव गढ़ने के लिए कुछ लोगों को झूठा गिरफ्तार कर लेते हैं और उन्हें 8 वर्ष तक कारगर की यातना सहते हुए 17 वर्ष बाद न्यायालय द्वारा निर्दोष घोषित हुए तो ये एक गंभीर मामला है। जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगा है।

पुलिस कमिश्नरेट के सभी कार्यालय और भवन होंगे ई-सोलर सिस्टम से लैस

- लखनऊ से आई टीम ने शुरू किया सर्वे और मेजरमेंट का काम

- सरकार के ऊर्जा बचाओ कार्यक्रम के तहत किया जाएगा निर्माण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : बिजली के दरें लगातार महंगी हो रही हैं और सरकार ऊर्जा बचाने और उसका सदुपयोग करने को लेकर लगातार नए प्रयास और पहल कर रही है। इसी कड़ी में अब उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों के आवास, कार्यालय, भवन और अन्य बिल्डिंग ई-सोलर सिस्टम से लैस होंगी। इसके लिए लखनऊ से आई टीम इन दिनों गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अलग-अलग थाने कार्यालय और अधिकारियों के भवन से लेकर उनकी बिल्डिंग की मेजरमेंट करने का काम कर रही हैं। की किस अधिकारी के यहां कितनी क्षमता वाला सोलर सिस्टम लगाना है। इसको लेकर रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है, फिर यह पुलिस मुख्यालय को भेजा जाएगा, इसके बाद इसके निर्माण और इस्तेमाल करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। गाजियाबाद के अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई है प्रदेश के कई शहरों में इस पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरूआत की जा रही है। जिसको लेकर गाजियाबाद में भी यह किया जा रहा है।

सिटी से लेकर देहात के थानों में लगेंगे ई-सोलर सिस्टम

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कवि नगर थाने से लेकर सिहानी गेट और मुरादनगर से लेकर मोदीनगर थाने के अलावा कमिश्नरेट के अन्य थाने जिसमें ट्रांस हिंडन का खोड़ा, इंदिरापुरम जैसे महत्वपूर्ण थाने शामिल हैं। वहां ई-सोलर सिस्टम लगाकर यहां ऊर्जा बचत का संदेश दिया जाएगा। तो वहीं महंगी बिजली की दरों को भी लेकर सरकार को सहूलियत रहेगी।

जनरेटर सिस्टम किए जाएंगे आउट

करंट क्राइम : दरअसल दिल्ली-एनसीआर में एनजीटी के निर्देशों और बढ़ते वायु प्रदूषण को रोकने के लिए सोलर लाइट पर आधारित सोलर सिस्टम को अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे वायु प्रदूषण कम होगा, तो वहीं थानों में बिजली जाने की सूरत में जो डीजल से संचालित होने वाले जनरेटर चलाए जाते हैं, उसमें डीजल का खर्चा कम होगा। तो वहीं डीजल से निकलने वाले धुएं और जनरेटर के ध्वनि प्रदूषण में भी कमी आएगी। बता दें की गाजियाबाद के सभी थानों, पुलिस के प्रमुख भवनों और कार्यालयों पर जल्द ही की ई-सोलर सिस्टम पैनल लगाने का काम तेजी से शुरू करवाया जाएगा।

ऐसे कैसे होगी जलभराव की समस्या दुरुस्त

पहले नंबर पर बजती रही घंटी, दूसरा स्विच ऑफ और तीसरा मिला व्यस्त

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वर्षा में जलभराव होता है और जलभराव के बाद जनता के लिये परेशानी होती है। नगर निगम लगातार जनता की इस समस्या के समाधान के लिये काम कर रहा है। जलभराव से निपटने के लिये नगर आयुक्त ने टीमों को निर्देश दिये हैं। वो कई स्थानों का खुद दौरा कर रहे हैं और भारी बरसात में हो रहे जलभराव को लेकर नगर आयुक्त ने शहरवासियों से सावधानी बरतने की अपील की है। निर्माण, स्वास्थ्य तथा जलकल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए शहर में जल निकासी का कार्य प्राथमिकता पर किया जा रहा है। वहीं जलभराव के स्थलों पर सावधानी बरतने की अपील के साथ जलभराव से निपटने के लिये निगम ने फोन नंबर जारी किये। अगर आपके क्षेत्र में जलभराव है तो इन नंबरों पर फोन करें और ये नंबर जलभराव से निपटने के लिये बनाये गए हैं। इनमें मोहननगर तथा वसुंधरा इंदिरापुरम के लिये नंबर दिया गया है। विजयनगर जोन के लिये नंबर दिया गया है और सिटी जोन के लिये नंबर दिया गया है। कविनगर जोन के लिये नंबर दिया गया है। दैनिक करंट क्राइम ने जलभराव को लेकर नगर निगम द्वारा जारी किये नंबरों का रियलटी चेक किया। इन नंबरों पर अगर जनता फोन करती है तो क्या रेस्पांस आता है, क्या कोई फोन उठाता है। अगर फोन उठाता है तो जलभराव की सूचना पर क्या जवाब मिलता है। अगर किसी क्षेत्र में जलभराव हो गया है तो कितनी देर में इन नंबरों पर फोन के बाद मदद मिलती है। दैनिक करंट क्राइम ने जब इन नंबरों पर फोन किये तो समझ में आ गया कि नंबर महज नंबर हैं क्योंकि नगर निगम द्वारा दिये गये पहले नंबर पर घंटी बजती रही और किसी ने फोन नहीं उठाया। एक बार नंबर मिलाया गया कोई रेस्पांस नहीं आया, दूसरी बार नंबर मिलाया, किसी ने फोन नहीं उठाया और तीसरी बार भी फोन की घंटी बजकर शांत हो गई। ये हाल पहले का नंबर था और जब करंट क्राइम ने दूसरे नंबर पर रियलटी टेस्ट के लिये फोन मिलाया तो यहां पूरी तैयारी का सीन ही साफ हो गया। क्योंकि फोन मिलाने पर पता चला कि हैल्प वाला नंबर तो स्विच ऑफ हो गया। ये नंबर स्विच आता रहा। इसके बाद तीसरे वाले नंबर पर भी कहानी मस्त मिली और जब भी फोन मिलाया तो यहां टोन व्यस्त मिली। ये फोन लगातार बिजी आता रहा और ये समझ में आ गया कि नगर आयुक्त ने तो जलभराव से निबटने के लिये नंबर जारी कर दिये, लेकिन इन नंबरों पर फोन करके मदद लेना इतना ईजी नहीं है। सबसे खास बात ये है कि जो नंबर बिजी आ रहा था, जिस नंबर पर लगातार घंटी जा रही थी उन नंबरों से पलटकर फोन भी नहीं आया।

अगर आपके क्षेत्र में जलभराव हो तो निम्नलिखित नंबरों पर डायल करें

मोहन नगर तथा वसुंधरा इंदिरापुरम
8178018395
विजयनगर
8178016830
सिटी अंतर्गत जल निकासी के लिए
8178016854
कवि नगर
8178018396

अपनी ड्यूटी पर पूरी तरह सतर्क और दुरुस्त मिली अवर अभियंता मानसी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम जलभराव से निपटने के लिये हैल्पलाइन नंबर जारी कर रहा है। जाहिर है कि ये नंबर नगर निगम ने इसीलिये जारी किये कि अगर किसी भी जोन में जलभराव हो और लोक परेशान हों तो वो मदद के लिये इन नंबरों पर फोन कर दें, लेकिन नगर आयुक्त को भी अंदाजा नहीं होगा कि जोन वाले इन नंबरों की फोन वाली टोन ही कहीं स्विच ऑफ आएगी तो कहीं फोन की घंटी का कोई रेस्पांस ही नहीं होगा, कहीं घंटी बजती रहेगी फोन रिसीव नहीं होगा, लेकिन एक फोन नंबर ऐसा था जहां फोन भी रिसीव हुआ और जलभराव को लेकर रेस्पांस भी मिला। ये नंबर जलकल वाटर सीवर विभाग का था। इस विभाग की अवर अभियंता मानसी ने फोन भी रिसीव किया। उन्होंने जनता के फोन का बेहतर रेस्पांस दिया। जलभराव की बात भी पूछी और ये एक ऐसा तरीका था जिससे विभाग की छवि जनता के बीच सकारात्मक तरीके से गई और लगा कि वास्तव में हैल्पालाइन नंबरों पर फोन करने से हैल्प भी मिल सकती है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट कार्तिक स्वामी की कंपनी करेगी दुबई की कंपनी के साथ मिलकर एग्रीकल्चर क्षेत्र में काम

यूनीहेमा कंपनी और फूटोफार्म के बीच हुआ एग्रीमेंट साइन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चार्टर्ड अकाउंटेंट कार्तिक स्वामी की कंपनी यूनीहेमा प्राइवेट लिमिटेड फ्रूटोफार्म सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड के बीच पांच सौ टन हिमाचल सेब का आपूर्ति एग्रीमेंट हुआ है। फ्रूटोफार्म सप्लाई कंपनी एमकेसी ग्रुप की है। शुक्रवार को गाजियाबाद में यूनीहेमा प्राइवेट लिमिटेड और फ्रूटोफार्म सप्लाई के बीच पांच सौ टन हिमाचल सेब की मासिक आपूर्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण करार संपन्न हुआ। यह एग्रीमेंट यूनीहेमा प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सीए कार्तिक स्वामी के नेतृत्व में किया गया। इस गठबंधन की नींव यूनीहेमा प्राइवेट लिमिटेड के सह संस्थापक तथा एचएमए एग्रो इंडस्ट्री लिमिटेड के प्रमोटर वाजिद अहमद के मार्गदर्शन में रखी गई। जिनके पास एग्रो प्रोडक्ट के क्षेत्र में 30 वर्षों का व्यापक अनुभव है। इस करार के अंतर्गत फ्रूटोफार्म सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा उत्पादित ताजे सेब यूनीहेमा प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से देश और विदेश दोनों बाजारों में उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे गाजियाबाद सहित देश भर के उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता के सेब किफायती मूल्यों पर मिल सकेंगे। इस अवसर पर यूनीहेमा प्राइवेट लिमिटेड की एचआर हैड करिश्मा स्वामी, मुख्य वित्तीय अधिकारी मोहम्मद सोहैल तथा बीएल एग्रो लिमिटेड के निदेशक अरुण स्वामी विशेष रूप से मौजूद रहे।

भाजपा नेता अनिल स्वामी के पुत्र हैं कार्तिक स्वामी

करंट क्राइम। पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल स्वामी ने अपने बेटे कार्तिक स्वामी की नई कंपनी के नए काम को लेकर सभी से अपने पुत्र के लिये आशीर्वाद की कामना की है। करंट क्राइम से बातचीत में अनिल स्वामी ने बताया कि उनके सुपुत्र कार्तिक स्वामी चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और वो अपनी कंपनी के साथ एग्रीकल्चर के क्षेत्र में आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिस कंपनी के साथ ये करार हुआ है वह दुबई बेस्ड कंपनी है। भारत में यह कंपनी 300 स्टोर खोलेगी और एग्रीकल्चर के क्षेत्र में काम करेगी। अनिल स्वामी ने उम्मीद जताई की यह कंपनी गुणवत्ता और सप्लाई के क्षेत्र में उत्तम साबित होगी। उन्होंने कहा कि इसका आउलेट गांधीनगर में भी खोला जाएगा। इस कंपनी के माध्यम से देशभर में उच्च कोटि के सेब जनता तब पहुंचाए जाएंगे।

आज वाराणसी पहुंचेंगे पीएम मोदी

पीएम-किसान की 20वीं किस्त जारी करेंगे

2200 करोड रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास व उदघाटन करेंगे

नई दिल्ली। करंट क्राइम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे। इस दौरान वे करीब 2200 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होगा, जहां प्रधानमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी, 9.7 करोड़ से ज्यादा किसानों को 20,500 करोड़ रुपये से ज्यादा ट्रांसफर करते हुए पीएम-किसान की 20वीं किस्त जारी करेंगे। पीएम-किसान योजना की शुरूआत से अब तक इसके तहत कुल संवितरण 3.90 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है।

वे वाराणसी-भदोही मार्ग और छितौनी-शूल टंकेश्वर मार्ग के चौड़ीकरण परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, मोहन सराय-अदलपुरा मार्ग पर भीड़भाड़ कम करने के लिए हरदत्तपुर में रेलवे ओवरब्रिज का भी उद्घाटन भी करेंगे। पीएम मोदी दालमंडी, लहरतारा-कोटवा, गंगापुर, बाबतपुर सहित कई ग्रामीण और शहरी गलियारों में व्यापक सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण परियोजना और लेवल क्रॉसिंग 22सी और खालिसपुर यार्ड पर रेलवे ओवरब्रिज की आधारशिला रखेंगे। क्षेत्र में बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए, प्रधानमंत्री स्मार्ट डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट के तहत तमाम कार्यों और 880 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली बिजली के बुनियादी ढांचे को भूमिगत करने की आधारशिला रखेंगे।

प्रधानमंत्री आठ नदी तटवर्ती कच्चे घाटों के पुनर्विकास, कालिका धाम में विकास कार्यों, शिवपुर स्थित रंगीलदास कुटिया में तालाब और घाट के सौंदर्यीकरण और दुगार्कुंड के जीर्णोद्धार एवं जल शोधन कार्यों का उद्घाटन करेंगे। वे कर्दमेश्वर महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य, कई स्वतंत्रता सेनानियों की जन्मस्थली करखियांव के विकास, सारनाथ, ऋषि मांडवी और रामनगर अंचल में नगर सुविधा केंद्रों, लमही में मुंशी प्रेमचंद के पैतृक घर के पुनर्विकास और संग्रहालय के रूप में उसके उन्नयन आदि कार्यों की आधारशिला रखेंगे।

पीएम मोदी कंचनपुर में शहरी मियावाकी वन के विकास और शहीद उद्यान, 21 अन्य पार्कों के पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण की आधारशिला भी रखेंगे। इसके अलावा, सांस्कृतिक रूप से बेहद जरूरी जल निकायों के संरक्षण हेतु, प्रधानमंत्री रामकुंड, मंदाकिनी, शंकुलधारा आदि सहित विभिन्न कुंडों में जल शोधन एवं रखरखाव कार्यों की आधारशिला रखेंगे। ग्रामीण इलाकों में पेयजल की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के अंतर्गत 47 ग्रामीण पेयजल योजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

1779 वाहनों का ट्रांस हिंडन पुलिस ने किया चालान

3542 वाहनों की हुई इस दौरान जांच

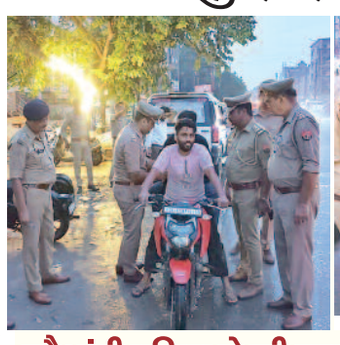

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में ट्रांस हिंडन जोन पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने एक विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यह अभियान ट्रांस हिंडन जोन के सभी थानाक्षेत्रों में एक साथ चलाया गया। इस अभियान के तहत ट्रांस हिंडन के 44 स्थानों पर पुलिस टीमें तैनात की गईं। यहां यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों की जांच की गई। बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना नंबर प्लेट, गलत दिशा से आने जैसे मामलों में कुल 3542 व्यक्तियों को चेक किया गया। मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कुल 1779 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश पर सभी एसीपी, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारियों ने अभियान में भाग लेते हुए कार्रवाई भी की।

कौशांबी पुलिस ने की सर्वाधिक कार्रवाई

करंट क्राइम : इंदिरापुरम पुलिस लगातार बेहतर काम कर रही है। इसी के तहत थानावार आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक कार्रवाई कौशांबी थाना क्षेत्र में हुई। यहां 695 व्यक्तियों की जांच की गई और 384 वाहनों का चालान किया गया। साहिबाबाद में 685 जांचें और 355 चालान किए गए। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में 389 लोगों को चेक कर 275 चालान काटे गए। लिंक रोड पर 446 लोगों की जांच में 247 चालान किए गए। टीलामोड़ पर 490 जांचों में 210 चालान काटे गए। शालीमार गार्डन में 290 व्यक्तियों की जांच में 159 चालान किए गए। खोड़ा थाना क्षेत्र में 547 लोगों की जांच की गई। शालीमार गार्डन में 290 व्यक्तियों की जांच में 159 चालान किए गए।

ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। इससे सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी और यातायात नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ेगी।
निमिष दशरथ पाटिल,
डीसीपी ट्रांस हिंडन जोन
पुलिस कमिश्नरेट
गाजियाबाद

'दिल्ली को कूड़े से आजादी' सफाई अभियान की शुरूआत'

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लगाई झाड़ू

नई दिल्ली। सीएम ने अभियान के तहत आईएसबीटी कश्मीरी गेट स्थित महिला एवं बाल विकास कार्यालय में साफ-सफाई की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार के महीने भर चलने वाले स्वच्छता अभियान 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' की शुरूआत झाड़ू लगाकर की। सीएम ने अभियान के तहत आईएसबीटी कश्मीरी गेट स्थित महिला एवं बाल विकास कार्यालय में साफ-सफाई की। वहीं, दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह और भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने दिल्ली के अरबिंदो मार्केट, ग्रीन पार्क क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन में भाग लिया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, ₹दिल्ली की व्यवस्था सुधारने का दम दिखाने वाली पिछली सरकारों ने इन कार्यालयों के लिए कुछ नहीं किया। मेरा यहां पहला दौरा है, इतनी महत्वपूर्ण समिति और विभाग की दुर्दशा देखकर मैं हैरान हूं। उन्हें अपना शीशमहल बनाने से फुर्सत नहीं मिली। हम अपने सभी विभागों के लिए नए कार्यालय बनाएंगे। एक बिल्कुल नया दिल्ली सचिवालय बनाया जाना चाहिए, जिसमें हर विभाग के लिए जगह हो। हम आज ही इसकी प्रक्रिया शुरू कर देंगे।

सीएम रेखा गुप्ता ने कश्मीरी गेट पर भी ने झाड़ू लगाई। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों से सुझाव प्राप्त किए और अधिकारियों को व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। अगस्त का पूरा महीना, दिल्ली में स्वच्छता के जन-आंदोलन का साक्षी बनेगा।

मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों से पूरी दिल्ली को स्वच्छ बनाने के मिशन को आगे बढ़ाने की अपील की। दिल्ली नगर निगम ने दिल्ली को कूड़े से मुक्त करने के लिए यह पहल की। इसके तहत सभी लोग इस स्वच्छता अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने जब शपथ ली थी तो उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया था कि स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का आधार बनाएं। देश स्वच्छ रहेगा तभी स्वस्थ रहेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1 अगस्त से लेकर 30 अगस्त तक दिल्ली को कूड़े से आजाद करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि हम दिल्ली के एक-एक कोने को साफ करेंगे, दिल्ली को साफ-सुथरा बनाएंगे और यहां की हवा को स्वच्छ बनाएंगे। मैं एमसीडी और दिल्ली की मुख्यमंत्री का इस अभियान के लिए धन्यवाद करता हूं।

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की तारीखों का ऐलान

9 सितंबर को मतदान, नतीजा भी उसी दिन

नई दिल्ली। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद खाली हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव का एलान कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने बताया कि उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को चुनाव कराया जाएगा। अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी, जबकि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त होगी।

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव की अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त होगी। नतीजे मतदान के दिन यानी 9 सितंबर को ही घोषित किए जाएंगे। जगदीप धनखड़ के 22 जुलाई को इस्तीफा देने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत निर्वाचन आयोग भारत के उपराष्ट्रपति के पद के लिए चुनाव कराता है। इसमें संविधान के अनुच्छेद 66(1) के अनुसार, भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, राज्यसभा के मनोनीत सदस्य और लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। इसमें राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम की बात करें तो 1974 के नियम 40 के अनुपालन में निर्वाचन आयोग को इस निर्वाचक मंडल के सदस्यों की एक अद्यतन सूची, उनके नवीनतम पते सहित, तैयार करने और बनाए रखने का अधिकार है। इससे पहले चुनाव आयोग ने बताया था कि उसने उप राष्ट्रपति चुनाव, 2025 के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। इन सदस्यों को एक सतत क्रम में सूचीबद्ध किया गया है। सभी सदस्यों को वर्णमाला क्रम में उनके संबंधित सदनों के राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के आधार पर व्यवस्थित किया गया है।

ऐसा है दोनों सदनों का गणित

आगामी चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को स्पष्ट बढ़त हासिल है। 543 सदस्यीय लोकसभा में पश्चिम बंगाल के बशीरहाट की एक सीट रिक्त है, जबकि 245 सदस्यीय राज्यसभा में पांच रिक्तियां हैं। राज्यसभा की पांच रिक्तियों में से चार जम्मू-कश्मीर से और एक पंजाब से है। पंजाब की यह सीट पिछले महीने हुए उपचुनाव में राज्य विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। दोनों सदनों की प्रभावी सदस्य संख्या 782 है और जीतने वाले उम्मीदवार को 391 मतों की आवश्यकता होगी, बशर्ते सभी पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

राजनीतिक दलों का गणित

लोकसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को 542 सदस्यों में से 293 का समर्थन प्राप्त है। सत्तारूढ़ गठबंधन को राज्यसभा में 129 सदस्यों (प्रभावी सदस्य संख्या 240) का समर्थन प्राप्त है, बशर्ते कि मनोनीत सदस्य राजग उम्मीदवार के समर्थन में मतदान करें। सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। संविधान के अनुच्छेद 66 (1) में प्रावधान है कि उपराष्ट्रपति का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से होगा तथा ऐसे चुनाव में मतदान गुप्त मतदान द्वारा होगा। इस प्रणाली में मतदाता को उम्मीदवारों के नाम के सामने अपनी प्राथमिकताएं अंकित करनी होती हैं।

धनखड़ ने 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था

इससे पहले धनखड़ ने 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, जबकि उनके कार्यकाल की समाप्ति में अभी दो साल से ज्यादा का समय बाकी था। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने इस्तीफे में लिखा, 'स्वास्थ्य का ध्यान रखने और चिकित्सकों की सलाह का पालन करने के लिए मैं संविधान के अनुच्छेद 67(क) के तहत भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं।'

नए उपराष्ट्रपति के पास पूरे पांच साल का कार्यकाल

धनखड़ के इस्तीफे के दो दिन बाद ही चुनाव आयोग ने नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। हालांकि, धनखड़ ने अपने पांच साल के कार्यकाल के केवल दो साल के भीतर इस्तीफा दिया, फिर भी उनके उत्तराधिकारी को पूरा पांच साल का कार्यकाल मिलेगा, न कि शेष बचा हुआ समय।

राहुल के आरोपों पर आयोग का अधिकारियों को निर्देश

'वोट चोरी' जैसे बयान को करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरफ से वोट चोरी के आरोप लगाने के बाद चुनाव आयोग ने अधिकारियों को हिदायत दी है। चुनाव आयोग ने साफ संदेश दिया है कि अफवाहों और आरोपों से प्रभावित न हों, लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए निष्पक्ष और ईमानदारी से अपना कार्य करें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' वाले बयान पर चुनाव आयोग (ईसी) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। आयोग ने सभी चुनाव अधिकारियों से कहा है कि वे ऐसे 'गैर-जिम्मेदाराना और निराधार' बयानों पर ध्यान न दें और पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपना काम करते रहें। चुनाव आयोग ने कहा कि इस तरह के आरोप आजकल रोजाना लगाए जाते हैं और इनका कोई ठोस आधार नहीं होता। ऐसे में अधिकारियों को चाहिए कि वे इन बयानों से प्रभावित हुए बिना, ईमानदारी से चुनाव प्रक्रिया को अंजाम दें। यह बहुत अजीब है कि वह बेतुके आरोप लगा रहे हैं और अब चुनाव आयोग और उसके कर्मचारियों को धमकाना भी शुरू कर दिया है। निंदनीय!

चुनाव आयोग ऐसे सभी गैर-जिम्मेदाराना बयानों को नजरअंदाज करता है और अपने सभी कर्मचारियों से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करते रहने का अनुरोध करता है। राहुल गांधी ने 23 जुलाई को आरोप लगाया था कि देश में चुनावों की चोरी की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक की एक लोकसभा सीट का गहराई से अध्ययन किया है और वोट चोरी की पूरी प्रक्रिया का पता लगा लिया है। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक में हमने एक सीट को चुना और उसकी वोटर लिस्ट को डिजिटल फॉर्मेट में कन्वर्ट किया। इस प्रक्रिया में छह महीने लगे। इसके बाद हमें समझ में आ गया कि वोट चोरी कैसे होती है, कौन करता है और नए वोटर्स कहां से लाए जाते हैं।' राहुल गांधी का कहना है कि 'हमें इसका कागजी सबूत मिल गया है।

'पारदर्शी-भरोसेमंद चुनाव के लिए उठाए जा रहे जरूरी कदम'

चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और भरोसेमंद बनाए रखने के लिए वह लगातार निगरानी कर रहा है और जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। बता दें कि हाल ही में राहुल गांधी ने कहा था कि भारत में वोट की चोरी हो रही है और चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा कम हुआ है। इसी के जवाब में चुनाव आयोग ने यह बयान जारी किया है।

चुनाव आयोग का राहुल गांधी को जवाब -

चुनाव आयोग उन्हें 12 जून 2025 को एक मेल भेजता है। वह नहीं आते।
चुनाव आयोग उन्हें 12 जून 2025 को एक पत्र भेजता है, लेकिन वह जवाब नहीं देते।
उन्होंने कभी भी किसी भी मुद्दे पर चुनाव आयोग को कोई पत्र नहीं भेजा।

मनसा देवी पहाड़ी समेत राज्य में चार अन्य जगहों पर होगा भूस्खलन उपचार, केंद्र से 125 करोड़ मंजूर

देहरादून। केंद्र ने भूस्खलन न्यूनीकरण के लिए 125 करोड़ मंजूर किए हैं। पहले चरण के लिए 4.5 करोड़ की धनराशि जारी की गई है। राज्य में मनसा देवी पहाड़ी समेत राज्य में चार अन्य जगहों पर भूस्खलन उपचार को लेकर केंद्र सरकार ने 125 करोड़ की योजना मंजूर की है। इसके तहत पहले चरण में साढ़े चार करोड़ (डीपीआर तैयार करने के लिए) की राशि जारी भी कर दी गई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण व उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र ने प्रस्तावों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) को भेजा था। इस राशि से मनसा देवी पहाड़ी पर हो रहे भूस्खलन की रोकथाम का काम होगा। यह मार्ग कांवड़ यात्रा के दौरान वैकल्पिक मार्ग के रूप में उपयोग होता है। इसी तरह गलोगी जलविद्युत परियोजना मार्ग मसूरी और नैनीताल स्थित चार्टन लॉज भूस्खलन से प्रभावित होता है, जहां पर उपचार का काम हो सकेगा। कर्णप्रयाग स्थित बहुगुणा नगर में भूमि धंसने और पिथौरागढ़ जिले में खोतिला-घटधार भूस्खलन को लेकर संवेदनशील है, जहां पर ट्रीटमेंट का काम किया जाएगा।

सीएम ने जताया आभार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस सहयोग के लिए प्रधानमंत्री व गृहमंत्री के प्रति राज्य सरकार व प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राज्य के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में दीर्घकालिक समाधान की दिशा में एक निर्णायक पहल है। उन्होंने भूस्खलन से अत्यधिक प्रभावित पांच संवेदनशील स्थलों को प्राथमिकता के आधार पर चयन किया है।

ड्यूटी से लगातार गैरहाजिर चार डॉक्टर बर्खास्त

डिप्टी सीएम के निर्देश पर प्रमुख सचिव ने जारी किया आदेश

लखनऊ। लंबे समय से बिना सूचना दिये गैरहाजिर चल रहे चार डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया गया है। इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। बिना सूचना लगातार गैरहाजिर चल रहे चार डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के तीन डॉक्टरों सहित कन्नौज मेडिकल कॉलेज में हड्डी रोग विभाग के सहायक आचार्य की सेवाएं समाप्त की गई हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर प्रमुख सचिव ने आदेश जारी कर दिया है। पीलीभीत जिला चिकित्सालय में तैनात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजकुमार, शाहजहांपुर के जलालाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉ. विनय कुमार सैनी, अम्बेडकरनगर (स्थानान्तरणधीन उन्नाव) डॉ. शशि भूषण डोभाल लंबे समय से लगातार गैरहाजिर चल रहे थे। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने तीनों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। वहीं, लंबे समय से गैरहाजिर कन्नौज राजकीय मेडिकल कॉलेज के सहायक आचार्य, आथोर्पेडिक्स विभाग के डॉ. अवनीश कुमार सिंह को भी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। मैनपुरी के किशनी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात दन्तशल्यक डॉ. राखी सोनी बिना सक्षम स्तर से अवकाश स्वीकृत कराये अनधिकृत रूप से तैनाती स्थल से अनुपस्थित हैं। डिप्टी सीएमओ डॉ. आनन्द सिंह को एवं मथुरा के छाता सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात डॉ. अशोक कुमार द्वारा गंभीर रूप से घायल रोगी के इलाज में लापरवाही बरतने के आरोप लगे। तीनों डॉक्टरों की जांच कराई गई।

भीषण हादसा : जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे कार सवार, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

मैनपुरी। मैनपुरी के बेवर थाना क्षेत्र के जीटी रोड हाईवे पर भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। किशनी थाना क्षेत्र के हीरापुर कैथोलि गांव के रहने वाले दीपक चौहान और उनके परिवार के लोग कार में सवार थे। ये सभी लोग आगरा से छिबरामऊ जा रहे थे। मैनपुरी जिले के बेवर थाना क्षेत्र के जीटी रोड हाईवे पर ग्राम नगला ताल के पास एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची घायल है। जीटी रोड हाईवे पर आवागमन करीब एक घंटे तक बंद रहा। बेवर की ओर से छिबरामऊ जा रही एक स्विफ्ट डिजायर कार अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर पार करते हुए कानपुर-आगरा लेन में पहुंच गई। इस लेन पर नवीगंज से आ रहे एक ट्रक से कार बुरी तरह टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दीपक (36), उनकी पत्नी पूजा (34), बेटियां आशी (9), आर्या (4) और बहन सुजाता (50) शामिल हैं। दीपक का परिवार मैनपुरी के ही किशनी थाना क्षेत्र के गांव हरीपुर कैथोली गांव का रहने वाला है। दीपक व उनका परिवार आगरा में भतीजी काव्या चौहान का जन्मदिन मनाकर लौट रहा था। इस दुर्घटना में दीपक की 11 वर्षीय बेटी आराध्या गंभीर रूप से घायल हो गई।

सीएम योगी ने व्यक्त किया शोक

मैनपुरी में हुए सड़क हादसे में जिस तरह एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई, उसे लेकर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने एक्स किया है। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए लिखा है कि ये मैनपुरी हादसा अत्यंत दुखद है। जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों को समुचित उपचार दिलाया जाए।

कार्यालय टास्क फोर्स सेनानायक, 47वीं वाहिनी पीएसी, गाजियाबाद।

फोन/फैक्स+91-120-2767021, सीयूजी +91.9454400373, ई-मेल-compac47@up.nic.in वेब-uppolice.up.nic.in
दिनांक 01-08-2025

विज्ञप्ति

टास्कफोर्स 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद मे निम्न कार्यों के निर्माण के लिये दिनांक -08-08-2025 को प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित किये जायेगे। टेण्डर उसी दिन दोपहर बाद खोले जायेगें। टेण्डर डालने वाले ठेकेदार अधिक जानकारी सेनानायक टास्कफोर्स 47वीं पीएसी के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में कर सकते हैं।

क्र0सं0	कार्य का विवरण
01	क्लासरूम 03 में फॉलसिलिंग का कार्य
02	क्लासरूम 04 में फॉलसिलिंग का कार्य
03	क्लासरूम 03 में टिन शेड लगाये जाने का कार्य
04	क्लासरूम 04 में टिन शेड लगाये जाने का कार्य
05	कम्प्यूटर लैब में वॉल पैनल लगाये जाने का कार्य
06	कम्प्यूटर लैब में खिडकियों को हटाकर बन्द कराये जाने का कार्य

पत्रांक : भ - 07/2025
दिनांक : 01/-08-2025

सेनानायक
टॉस्क फोर्स 47वीं पीएसी
गाजियाबाद

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। शनिवार 02 अगस्त -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

जैसे ही बजे फायर अलार्म और सायरन सिस्टम

मदद और बचाव के लिए दौड़ पड़े अधिकारी, जवान और स्वयंसेवक

गाजियाबाद में पांच स्थानों पर की गई राहत एवं बचाव की बड़ी एक्सरसाइज

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शुक्रवार की सुबह घड़ी में जैसे ही करीब 9:30 बजे राजनगर एक्सटेंशन, इंग्रेहम इंटर कॉलेज, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड और मोदीनगर के सरकारी भवन से लेकर जिला संयुक्त अस्पताल के अलग-अलग ऑपरेशन की शुरूआत हो गई। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर जिलाधिकारी गाजियाबाद व एडीएमएफ आर सौरभ भट्ट के नेतृत्व में ऑपरेशन सुरक्षा चक्र का आयोजन किया गया। जिसके तहत आपदा प्रबंधन संगोष्ठी एवं मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया।

इसका मकसद भूकंप और औद्योगिक रासायनिक आपदाओं से निपटने की तैयारी को जांचना रहा। जैसे ही फायर ब्रिगेड का अलार्म और सोसाइटी और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के परिसर में सायरन की आवाज गूंजी तो फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों से लेकर पुलिस के सुरक्षा अधिकारी, सिविल डिफेंस और अन्य स्वयंसेवक राहत एवं बचाव के लिए दौड़ पड़े। कोई घायलों को स्ट्रेचर पर ले जाने लगा। तो किसी ने आग बुझाने के लिए पानी की धार चला दी। किसी ने पहली मंजिल पर फंसे लोगों को कंधे पर चढ़ के उतारा। तो कोई धुएं के बीच घिरे लोगों को बचाने के लिए जुट गया था। शुक्रवार को यह नजारा कई स्थानों पर देखने को मिला, जहां मॉर्क ड्रिल की बड़ी एक्सरसाइज की गई थी।

इन पांच स्थानों पर अधिकारियों ने संभाली कमान

करंट क्राइम : इन्ग्राहम इंटर कॉलेज, राजनगर गाजियाबाद में धर्मेन्द्र शर्मा जिला विद्यालय निरीक्षक और रितेश कुमार तहसीलदार गाजियाबाद ने नोडल अधिकारियों के रूप में कार्य किया। तो वीवीआईपी एड्रेसिस सोसायटी, नूर नगर में अरुण दीक्षित एसडीएम सदर एवं डॉ. राकेश गुप्ता जिला सर्विलांस अधिकारी मौजूद रहे। तो इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड टीला शहबाजपुर लोनी में राजेन्द्र कुमार शुक्ला एसडीएम लोनी एवं कमलेश कनौजिया सहायक निदेशक कारखाना के साथ ही सरकारी भवन, मोदीनगर तहसील में अजीत कुमार सिंह एसडीएम मोदीनगर एवं रजत सिंह तहसीलदार ने कमान संभाली। तो जिला संयुक्त चिकित्सालय सेक्टर-23, संजय नगर में विराग पाण्डेय नोडल अधिकारी एवं अपर उप जिलाधिकारी गाजियाबाद मौजूद रहे।

बचाव दल ने दिखाई तत्परता

करंट क्राइम : घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। तो गंभीर रूप से घायलों को यशोदा अस्पताल में रेफर किया गया। अग्निशमन विभाग ने आग पर नियंत्रण पाया, वहीं एनडीआरएफ व एसडीआरएफ ने लोनी स्थित इंडियन ऑयल संयंत्र में हुए रासायनिक रिसाव को नियंत्रित कर बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। इस मौके जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, एनडीएमए कमाण्डेंट ने सभी स्थलों का निरीक्षण किया और मॉक ड्रिल की समापन समीक्षा की। इस दौरान मुख्स अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल मौजूद रहे।

पुलिस कमिश्नरेट क्राइम ब्रांच स्क्वॉट टीम के प्रभारी बनाए गए अनिल राजपूत

- पिछले दिनों सस्पेंड किए गए थे स्क्वॉट टीम प्रभारी अब्दुल रहमान सिद्दीकी के बाद खाली था स्थान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अपराध नियंत्रण के लिए कमिश्नरेट के तीनों जोन पर काम करने वाली पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद की क्राइम ब्रांच स्क्वॉट टीम के लिए प्रभारी के रूप में अनिल राजपूत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इंस्पेक्टर अनिल राजपूत इससे पहले ग्रामीण जोन टीम के प्रभारी रह चुके हैं। तो वहीं बीते दिनों उन्होंने विदेशी लकड़ी गिरोह का खुलासा किया था। तो वहीं इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में कांवड़ के दौरान कारोबारी से हुई 38 लाख रुपए की लूट के खुलासे में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। इसके साथ ही बीते दिनों लिंक रोड में ज्वैलर्स के यहां दिनदहाड़े डिलीवरी बॉय के कपड़ों में लूट की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह की सीसीटीवी फुटेज से लेकर लोकेशन निकालने में भी उनकी भूमिका रही है। वह इससे पहले ट्रांस हिंडन स्क्वॉट टीम में निरीक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। बताया जाता है कि अनिल राजपूत क्राइम के नेटवर्क पर मजबूती से काम करते हैं और सर्विलांस से लेकर कई नेटवर्क पर उनकी पकड़ है। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट से पूर्व गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के बिसरख थाने के प्रभारी रह चुके हैं और वहां भी कई सनसनीखेज घटनाओं और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन लंगड़ा के तहत सुर्खियों में रहे हैं। बता दें कि वर्तमान में उनपर पुलिस के अधिकारियों ने क्राइम ब्रांच स्क्वॉट प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी है। अब देखना होगा आने वाले दिनों में स्क्वॉट टीम क्राइम ब्रांच पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में किस प्रकार से खुलासे करती है और क्राइम कंट्रोल को लेकर क्या एक्शन लेने में कामयाब होती है, यह देखना शेष रहेगा।

सौतेली मां से नाराज भाई-बहन ने सल्फास खाकर दी जान! भाई था आईबी में तैनात

बहन करती थी पढ़ाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कविनगर थानाक्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। भाई- बहन ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली है। कविनगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुरम में रहने वाले अविनाश कुमार (28) और उनकी बहन अंजली (25) ने गुरुवार शाम करीब पांच बजे संदिग्ध अवस्था में सल्फास खा लिया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां दोनों को मृत घोषित किया गया। अविनाश कुमार दिल्ली में आईबी में नौकरी करते थे। जानकारी के अनुसार, दोनों की मां किसी काम से बाहर गई थीं, तभी दोनों ने सल्फास खा लिया। मां घर पहुंची तो कमरा बंद देखा। इस पर पड़ोसियों को बुलाया और दरवाजा काटकर बेहोशी की हालत में बाहर निकाला। पड़ोसी उन्हें सर्वोदय अस्पताल में लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हालांकि पुलिस ने अस्पताल के मीमो के आधार पर दोनों के शवों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। गोविंदपुरम कॉलोनी के मकान संख्या एच-352 निवासी अविनाश कुमार सिंह आईबी चाणक्यपुरी दिल्ली में कार्यरत थे और पढ़ाई करने वाली उनकी बहन अंजली ने गुरुवार की शाम घर के एक कमरे में जहरीला पदार्थ खा लिया। शाम करीब पांच बजे उनकी मां घर पहुंची और दोनों बच्चों को घर में न देख फोन किया। मोबाइल बंद कमरे में बजता मिला। मां ने कमरे का दरवाजा खोलने का प्रयास किया लेकिन वह अंदर से बंद था। शोर मचाने पर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और दरवाजा काटकर कमरे में दाखिल हुए। जहां दोनों भाई-बहन बेहोशी की हालत में पड़े दिखे। आनन-फानन में दोनों को सर्वोदय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों का पंचनामा भरकर मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। एसीपी कविनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि पीड़ित परिजनों ने इनकी मां पर आरोप लगाएं हैं जिसकी जांच की जा रही है। वहीं चिकित्सकों के अनुसार दोनों ने सल्फास खाया है और अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही दोनों की मौत हो चुकी थी। मौके से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है।

सौतेली मां पर लगाए गंभीर आरोप

करंट क्राइम : इस मामले में मृतक अविनाश के चाचा अजीत कुमार ने बताया कि उनका परिवार मूल रूप से जनपद हापुड़ के अयादनगर गांव निवासी हैं। वहीं मृतक के मामा देवेंद्र ने बताया है कि सुखवीर सिंह करीब 30 वर्ष पूर्व गोविंदपुरम में आकर बस गए थे। अविनाश और अंजली का जन्म गोविंदपुरम में ही हुआ है। अविनाश कुमार सिंह आईबी में दिल्ली की चाणक्यपुरी में तैनात थे जबकि अंजली पढ़ाई करती है। कुछ दिन पूर्व वसुंधरा में हुई एक जन्मदिन की दावत पर दोनों ने अपनी सौतेली मां पर आरोप लगाए थे कि उनको परेशान किया जा रहा है। वही पता चला है कि बच्चों की मां की सालों पहले मौत हो गई थी जिसके बाद मृतकों के पिता ने दूसरी महिला से शादी कर ली थी, उसके कुछ सालों बाद महिला ने बच्चों को तंग करना चालू कर दिया था। पुलिस परिजनों की शिकायत की जांच कर रही है।

पुलिस लाइन में बनेगी हाईटेक कैंटीन

शॉपिंग कांप्लेक्स जैसा नजर आएगा माहौल, पुलिस लाइन के मुख्य गेट का भी बदल गया है डिजाइन

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में पुलिस आधुनीकरण स्कीम के तहत गाजियाबाद में पुलिस अधिकारियों के कार्यालय से लेकर लाइन के भवन और अन्य स्थानों को पहले से ज्यादा बेहतर आधुनिक और आकर्षक बनाने का काम जोरों पर चल रहा है। इसी कड़ी में अब पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की सालों पुरानी पुलिस लाइन की कैंटीन को हाईटेक अंदाज में डेवलप किया जाएगा। इसके लिए नक्शा तैयार हो गया है। जल्द ही इसके शॉपिंग कांप्लेक्स के स्ट्रक्चर को तैयार किया जाएगा। यहां विदेशी लकड़ी से अलग-अलग रेक और सामान रखे जाने का स्थान तय किया जाएगा। तो खरीदारी करने आने वाले पुलिस कर्मियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो, उनके बैग और अन्य सामान रखने के लिए भी अलग से स्थान निर्धारित किया जाएगा। साथ ही पुलिसकर्मी यहां आराम से बिना गर्मी और अंधेरे कैसे खरीदारी कर सके ,इसके लिए आधुनिक लिए और इस पूरे कैंटीन और कक्ष को एयर कंडीशन किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इसके लिए बजट तय कर दिया गया है। इसके निर्माण का कार्य जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।

कैश काउंटर से लेकर बिल काउंटर रहेगा मौजूद

करंट क्राइम : पुलिस लाइन में कैंटीन और यहां के परिसर को बेहतर बनाने के साथ ही इसे किसी शॉपिंग कांप्लेक्स के रूप में डेवलप किया जाएगा। साथ ही यहां कैश काउंटर रहेगा। तो वही बिलिंग काउंटर भी अलग से बनाया जाएगा। जहां पुलिसकर्मी और उनके परिवार के लोग आसानी से खरीदारी कर पाएंगे और उनको सरकार द्वारा तय रेट के अनुसार ही अलग-अलग सामान और सामग्री उपलब्ध होगी।

अब लखनऊ स्टाइल का नहीं, लाइटिंग से लैस वाला होगा पुलिस लाइन कमिश्नरेट का गेट

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में पुलिस लाइन का पहला गेट पुलिस लाइन लखनऊ के तर्ज पर बनाने का प्लान था लेकिन जगह कम होने की वजह से अब इसे लाइटिंग वाले गेट के रूप में बनाया जाएगा। इसका नया नक्शा आ गया है, जिसको बनाने का काम शुरू हो चुका है। इसकी फाउंडेशन और पिलर तैयार किया जा रहे हैं ताकि इसे जल्द से जल्द बनाया जा सके। इसे बनाने का काम राघव इंटरप्राइजेज व जयश्री श्याम कंस्ट्रक्शन द्वारा कराया जा रहा है, जो वर्तमान में पुलिस ऑफिस और एडिशनल सीपी कार्यालय से लेकर पुलिस के भवनों का निर्माण कार्य कर रहा है। पुलिस लाइन के मुख्य गेट को लाइटिंग वाले लुक में बनाने का काम शुरू हो गया है, जिसके लिए रोजाना यहां निर्माण कार्य जारी है।

जब एक पिता ने कहा- मेरे 30 साल के बेटे को है ब्लड कैंसर

सुनते ही पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल ने कहा- चिंता मत करो, जरूर मदद की जाएगी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कई बार जिंदगी में कुछ कहानियां ऐसी होती हैं जो दिल को झकझोर देती हैं। ये कहानी भी कुछ ऐसी ही कहानी है, जिसमें जीवन का एक दर्द है और सबसे बड़ी बात ये है कि जिनके भी जीवन का ये दर्द है उस दर्द में एक राजनेता, एक पूर्व जनप्रतिनिधि, एक शिक्षाविद मदद के जज्बे के साथ हमदर्द बने हैं। कहानी कुछ इस तरह से है कि एक बेटा हमेशा से अपने माता-पिता का सहारा होता है, अपने परिवार का सहारा होता है, लेकिन इस कहानी में एक ऐसा मोड़ आता है जब बेटा-पिता और पूरा परिवार बेसहारा हो जाता है।

जिस एकलौते बेटे से कई अरमान थे वो बेटा गंभीर बीमारी का शिकार हो जाता है और जिंदगी एक झटके में अपने मायने बदल लेती है। कहानी में एक बेटा है जो अच्छी नौकरी पर लग गया है। बेहतर नौकरी पाने के बाद पुत्र ने अपने पिता से कहा कि अब मैं आपकी सेवा करना चाहता हूं और मैं चाहता हूं कि आप आराम करें। बेटा अच्छा कमा रहा है और पिता के प्रति अपने फर्ज को निभा रहा है। पिता ने नौकरी छोड़ दी और सब कुछ ठीक चल रहा है।

परिवार में सब खुश हैं और अचानक एक दिन एक मेडिकल रिपोर्ट आती है और फिर उस परिवार की जिंदगी में तकलीफों का भूचाल आ जाता है। बेटे की तबीयत खराब होती है और परिवार के लोग उसको डॉक्टर की सलाह पर मेडिकल के टेस्ट कराने ले जाते हैं। जब उन टेस्ट की रिपोर्ट आती है तो उस पिता के पैरों के नीचे से जमीन निकल जाती है जिनको इस बात का नाज था कि अब उनका बेटा उनके बुढ़ापे का सहारा बना है।

वो समझ ही नहीं पाते कि ये कुदरत की मार है। उन्हें तो थोड़े समय पहले तक यही पता था कि उनका बेटा बीमार है, लेकिन जब रिपोर्ट आई तो पता चला कि उनका 30 वर्षीय बेटा ब्लड कैंसर का शिकार है। कैंसर एक ऐसी बीमारी है कि उसका नाम सुनते ही पूरा परिवार सदमें में आ जाता है। किसी तरह परिवार हिम्मत जुटाता है और इलाज शुरू कराता है। एक अच्छा खासा बजट इलाज पर खर्च होता है और परिवार पर मानों सब तरफ से संकट आ जाता है। समाज में कुछ ऐसे मदद दूत होते हैं, कुछ ऐसे मानवीय चेहरे होते हैं जिनकी गूंज दूर-दूर तक होती है। ये चेहरे समाज में अपनी एक प्रतिष्ठा अपने व्यवहार से हासिल करते हैं, ये हमेशा दूसरों की मदद करते हैं। ऐसा ही एक चेहरा पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल का है।

अनिल अग्रवाल अब भले ही पूर्व राज्यसभा सांसद हैं, लेकिन उनके घर से एक मदद का दरिया बहता है। आज भी कोई उनके पास मदद के लिये चला जाए तो वो पूरे मन से उसकी मदद करते हैं। जिस युवक को कैंसर हुआ उसके पिता ने भी डॉ. अनिल अग्रवाल का बहुत नाम सुना था। वो मदद के लिये पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल के पास पहुंचते हैं।

डॉ. अनिल अग्रवाल जैसे ही उस युवक के कैंसर की जानकारी उसके पिता के मुख से सुनते हैं तो वो हैरान रह जाते हैं। क्योंकि पिता ने जब डॉ. अनिल अग्रवाल से कहा कि मेरे 30 साल के बेटे को ब्लड कैंसर है तो ये सुनते ही पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल तत्काल मदद के लिये अपना फोन निकाल लेते हैं। बड़ी बात ये है कि डॉ. अनिल अग्रवाल अब राज्यसभा सांसद नहीं हैं, वो पूर्व हो चुके हैं, लेकिन मदद के लिये जो अभूतपूर्व जज्बा उन्होंने दिखाया वो वास्तव में तारीफ के काबिल है। वो इस बात को बताता है कि अगर मन में किसी की मदद के लिये जज्बा हो तो फिर पूर्व या वर्तमान होने से फर्क नहीं पड़ता है। डॉ. अनिल अग्रवाल यहां एक मानवीय चेहरे के साथ सामने आते हैं और वो कैंसर की बात सुनते ही तत्काल जेब से फोन निकालते हैं और अपने संपर्क के चार पांच सांसदों को तुरंत फोन मिलाते हैं और उनसे बताते हैं कि यह अति गंभीर मामला है और इसमें इनकी आर्थिक मदद होनी है।

इस पूरे मामले को देख रहे लोग भी इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल के मानवीय चेहरे को देख रहे होते हैं। डॉ. अनिल अग्रवाल मदद के जज्बे के साथ एक या दो नहीं बल्कि कई फोन करते हैं और वो ये साबित कर देते हैं कि अगर कोई दर पर मदद मांगना आया है तो फिर उसकी मदद के लिये हर तरीके से जुटों। वो ये संदेश भी देते हैं कि अगर किसी जरूरतमंद की मदद करनी है तो चेयर पर होना जरूरी नहीं है बल्कि आपके मन में जरूरतमंद के प्रति केयर का होना जरूरी है। डॉ. अनिल अग्रवाल ने अपने व्यवहार से मानों कैंसर पीड़ित युवक के पिता के आंसू पोंछे, उन्हें भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में हम तुम्हारे साथ हैं और यकीन मानिए कि जाते-जाते जो शब्द डॉ. अनिल अग्रवाल ने कैंसर पीड़ित युवक के पिता से कहे वो दिल को छू गये। डॉ. अनिल अग्रवाल ने जाते हुए पिता से कहा कि आप चिंता मत करना, जरूर मदद करेंगे और अनिल अग्रवाल के शब्द सुनकर पिता की आंख में आंसू आ गए और अनिल अग्रवाल का भाव उनका व्यवहार ऐसा था कि मानों उन्होंने किसी दर्द में डूबे व्यक्ति के आंसू पोंछे हैं।

ये शब्द कि जरूर मदद होगी, एक बड़ा विश्वास लेकर आए। अनिल अग्रवाल का ये चेहरा बताता है कि उनकी परवरिश, उनके संस्कार और उनका परोपकार का भाव हमेशा जागृत रहता है। उनके समर्थक भी इस बात को बताते हैं और स्वयं अनिल अग्रवाल के दर से मदद प्राप्त करचुके लोग भी इस बात को बताते हैं कि लोग आज भी उनके यहां उम्मीदों को लेकर आते हैं। अनिल अग्रवाल एक ऐसी शख्सियत हैं जो हमेशा मदद के जज्बे के साथ काम करते हैं और वो कभी भी इधर-उधर के बहाने नहीं बताते हैं। एक बड़ी सीख राजनीति से जुड़े लोगों को भी उनसे लेनी चाहिए। वो कभी भी किसी भी जरूरतमंद की जरूरत के लिये अपने बड़े से बड़े संपर्क को फोन मिलाने में, कहने में नहीं चूकते। उनका वयवहार हमेशा इतना शालीन और सौम्य रहता है कि लोग उनके यहां एक आस लेकर आते हैं और निराश नहीं लौटते हैं। जरूरतमंद की मदद आगे बढ़कर करते हैं। एक कैंसर पीड़ित युवक के पिता ने जब उनसे अपनी व्यथा बताई तो डॉ. अनिल अग्रवाल ने जिस तरह से मदद के लिये फोन घुमाए, पिता को तसल्ली दी कि चिंता मत करो जरूर मदद होगी, ये शब्द ही वो उपचार है जो अच्छे से अच्छे बीमार को ठीक कर देते हैं।

संपादकीय

ट्रंप का टैरिफ बम

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की कथित मित्रता का वस्त्रहरण ट्रंप हर दिन कर रहे हैं। कोई भी दिन ऐसा नहीं जाता, जिस दिन ट्रंप इस मित्रता की एक परत न उघाड़ते हों। बुधवार को भी यही सिलसिला जारी रहा। ट्रंप ने १ अगस्त से हिंदुस्थान से आयातित वस्तुओं पर २५ फीसदी टैरिफ लगाने का एलान करते हुए मोदी की मित्रता की और एक परत उघाड़ डाली। ट्रंप यहीं नहीं रुके। उन्होंने भारत पर जुमार्ना लगाकर रूस से हथियार और कच्चा तेल खरीदने पर भी अपना गुस्सा जाहिर किया। एक तरफ भारत पर २५ प्रतिशत टैरिफ लगानेवाले ट्रंप ने पाकिस्तान की शरीफ सरकार के साथ व्यापार समझौता किया, उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे पाकिस्तान के तेल भंडारों की खोज कर उनका विकास करेंगे। वहीं दूसरी ओर उन्होंने मोदी के जख्मों पर नमक छिड़कते हुए कहा, भविष्य में किसी दिन पाकिस्तान भी भारत को तेल बेचेगा। गुरुवार को उन्होंने इस जख्म को और दाग दिया। उन्होंने रूस के साथ भारत की अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को डूबती और मृत अर्थव्यवस्था बताया। उन्होंने यह भी श्राप दे डाला कि ये दोनों देश अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को और डुबो सकते हैं। ट्रंप का २५ फीसदी टैरिफ बम, पाकिस्तानियों के साथ उनका समझौता और उसके बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावना, ये सभी बातें एक देश के रूप में भारत को बेहद क्रोधित करनेवाली हैं और देश के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाली हैं। इसलिए उम्मीद थी कि मोदी सरकार इस पर तुरंत स्पष्ट और कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करेगी, लेकिन मोदी से लेकर शाह-जयशंकर तक, सबकी जुबां खामोश हैं। वे ट्रंप द्वारा दिए गए एक और झटके से उबर नहीं पाए हैं। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा का जवाब देते हुए भी मोदी ट्रंप का सीधे तौर पर नाम लेने की हिम्मत नहीं दिखा पाए और ट्रंप के टैरिफ बम को लेकर न तो वे अपने हाथों की घडी खोल पाए और न ही अपने मुंह पर लगा ताला खोल पाए। कहने को तो मोदी सरकार ने विदेश मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से एक छोटा सा खुलासा किया है। ट्रंप की घोषणा का गंभीरता से अध्ययन किया जा रहा है और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस संबंध में किसी के दबाव में नहीं झुकेगा, बताया गया कि भारत ने ऐसा साफ तौर पर कहा है। अरे, झुकेंगे नहीं न, ऐसा ही कहना है तो ऐसा बेधड़क कहिए। विदेश मंत्रालय के ह्यसूत्रों की आड़ में क्यों छिप रहे हो? प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री अपने मुंह खोलने को तैयार क्यों नहीं हैं? एक तरफ तो कहते हो कि ट्रंप के टैरिफ बम पर नहीं झुकेंगे और दूसरी तरफ भारत अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर पूरी तरह सकारात्मक है का राग भी आलापते हो। सिर झुकाकर माइलॉर्ड ट्रंप की तरफ देखते हैं कि शायद वो खुश हो जाएं। ट्रंप साहब मोदी सरकार की इस ताकत से अच्छी तरह वाकिफ हैं। इसीलिए मित्रता का जिक्र करके वो रोज इस मोदी-मित्रता की एक-एक परत उघाड़ रहे हैं। मोदी को उनकी मित्रता की जगह दिखा रहे हैं। टैरिफ लादकर लठिया रहे हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

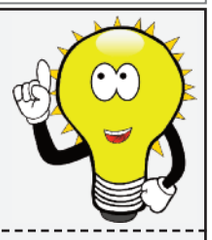

- एक प्रकार का प्लास्टिक बनाने के लिए दूध का उपयोग किया जा सकता है जो गंधहीन, बायोडिग्रेडेबल, एंस्टीटिक, पानी में अघुलनशील और लगभग गैर ज्वलनशील है।
- दूध नॉर्थ डकोटा का आधिकारिक राज्य पेय है! जो देश दूध पीते हैं, वह स्मार्ट हैं और नोबेल पुरस्कार जीतने में ज्यादा सक्षम हैं!
- दूध प्रोटीन का प्रयोग लेटेक्स के निर्माण में किया जाता है, जिसका अर्थ है कि ज्यादातर कंडोम में दूध प्रोटीन होता है।
- कनाडा में, गाय को कृत्रिम हार्मोन से दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए देने के लिए अवैध है।
- दुनिया में सबसे ज्यादा प्रयोग होने वाला पासवर्ड 123456 है।
- एक रिपोर्ट के अनुसार, होशियार लोग ज्यादातर अपने आप से बातें करते हैं।
- जुराब यानि मोजे पहन कर सोने वाले लोग रात में बहुत कम बार जागते हैं या बिलकुल नहीं जागते हैं।
- कोई भी अपने आप को सांस रोक कर नहीं मार सकता है।
- जरुरत से ज्यादा टेंशन आपके दिमाग को कुछ समय के लिए बंद कर सकती है।

राशिफल

मेष: व्यापार के अच्छे अवसर आपके व्यापार के विस्तार और विस्तार में काफी मददगार साबित होंगे। आप नए क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार रहेंगे।
वृष: आप खुद को ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। आप जो भी काम करेंगे, वह समय से पूरा हो जाएगा। इंजीनियर अपने अनुभव का सही दिशा में उपयोग करेंगे।
मिथुन: आपको नए व्यवसाय, सौदे और नई नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। काम को पूरा करने के लिए विचार बन रहे हैं। किसी विशेष कार्य में शुरूआत का समय है।
कर्क: आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है। महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की जा सकती हैं। आप उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो निराश नहीं होंगे।
सिंह: आपका दिन ठीक रहेगा। छात्रों को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। अच्छा होगा कि कोई भी काम शुरू करने से पहले जीवनसाथी से सलाह-मशविरा कर लें।
कन्या: आपको आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं। किसी विशेष पारिवारिक मामले पर निर्णायक रूप से अपनी राय दें।
तुला: प्रतियोगिता में भाग लेने वालों के लिए दिन मिलाजुला रह सकता है। कुछ अनावश्यक तनाव उत्पन्न हो सकता है जिससे आपका मन थोड़ा विचलित हो सकता है।
वृश्चिक: आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। ऑफिस में आज आपको वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आमदनी में वृद्धि होने की संभावना है।
धनु: किसी खास काम में मित्रों का सहयोग मिल सकता है। महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बात करने का मौका आपको मिल सकता है। इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।
मकर: किसी ऐसे प्रोजेक्ट से आपको अप्रत्याशित लाभ मिलेगा जो आपके दिल के करीब है। आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।
कुंभ: दिन आपके लिए शानदार रहेगा। लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल है।
मीन: अधिकांश काम पूरे हो सकते हैं। लाभ मिल सकता है। दोस्तों के साथ भी कोई प्रोग्राम बना सकते हैं। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने का प्रयास करें।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

टैरिफ से जुड़ी आशंकाओं के कारण बाजार में बिकवाली हावी

सेंसेक्स-निफ्टी फिसलकर बंद हुए

नई दिल्ली। टैरिफ को लेकर अनिश्चिता के बीच शुक्रवार को शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 585.67 अंक गिरकर 80,599.91 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 203.0 अंक गिरकर 24,565.35 अंक पर आ गया।

वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली और व्यापार संबंधी चिंताओं के बीच धातु, आईटी और दूरसंचार शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। इसके कारण शुक्रवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार दूसरे सत्र में भारी गिरावट आई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 585.67 अंक या 0.72 प्रतिशत गिरकर 80,599.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 690.01 अंक या 0.84 प्रतिशत गिरकर 80,495.57 अंक पर आ गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 203.0 अंक या 0.82 प्रतिशत गिरकर 24,565.35 अंक पर बंद हुआ।

टाटा स्टील, मारुति, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, भारती एयरटेल और टेक महिंद्रा भी पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं ट्रेंट, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

ट्रंप की नई टैरिफ नीति का दिखा असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दर्जनों देशों पर व्यापक नए टैरिफ लगाए हैं। इनमें भारत से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। इससे अमेरिकी संरक्षणवाद का एक नया युग शुरू हो गया है, जिससे वैश्विक व्यापार परिदृश्य में व्यापक व्यवधान को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में सन फार्मा में 4.43 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि कंपनी ने 30 जून, 2025 को समाप्त पहली तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,279 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की।

फिच ने जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.4% से घटाकर 6.3% किया

कहा- टैरिफ का कंपनियों पर सीमित असर

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स को उम्मीद है कि मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में उसकी ओर से रेटिंग प्राप्त भारतीय कॉरपोरेट्स के क्रेडिट मेट्रिक्स में सुधार होगा, क्योंकि व्यापक एइक्ळऊअ मार्जिन उनके हाई कैपेक्स को संतुलित कर देगा। भारत की वृद्धि दर पर रेटिंग एजेंसी ने क्या कहा है, आइए जानते हैं। फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया और कहा कि उसे भारतीय कंपनियों पर उच्च अमेरिकी टैरिफ का सीमित प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। अप्रैल में अपने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में फिच ने 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। फिच ने शुक्रवार को जारी इंडिया कॉरपोरेट्स क्रेडिट ट्रेंड्स रिपोर्ट में कहा, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहेगी और मजबूत बुनियादी ढांचागत खर्च से सीमेंट और निर्माण सामग्री, बिजली, पेट्रोलियम उत्पाद, इस्पात और इंजीनियरिंग एवं निर्माण (ईएंडसी) कंपनियों की मांग में मजबूती आएगी। फिच रेटिंग्स को उम्मीद है कि मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में उसकी ओर से रेटिंग प्राप्त भारतीय कॉरपोरेट्स के क्रेडिट मेट्रिक्स में सुधार होगा, क्योंकि व्यापक एइक्ळऊअ मार्जिन उनके हाई कैपेक्स को संतुलित कर देगा।

चुटकुले

लड़की वाले बेटी के लिए लड़का देखने गए
लड़की वाले- कितना कमा लेते हो?
लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया
लड़की वाले- फिर क्या हुआ?
लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया और सारी कमाई चली गयी।

लड़का- मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं
लड़की का बाप- कितना कमा लेते हो
लड़का- 19000 हजार महीना
लड़की का बाप- 15000 मै अपनी बेटी को पाकेट मनी देता हूं
लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पति: प्लीज बाइक तेज ना चलाओ,
मुझे डर लग रहा है।
सरदार: अगर तुझे भी डर लग रहा है,
तो मेरी तरह आँखें बंद कर ले।

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

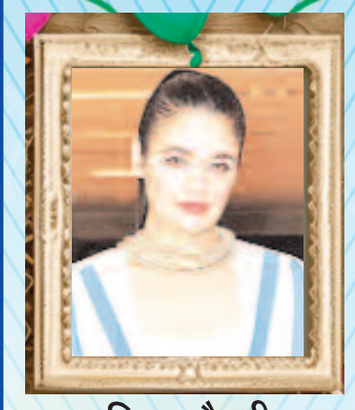

एटीएफ की कीमत में 3 प्रतिशत की वृद्धि, कमर्शियल एलपीजी की कीमत में 33.50 रुपये की कटौती

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क दरों में उतार-चढ़ाव के अनुरूप शुक्रवार को विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तीन प्रतिशत की वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 33.50 रुपये कम कर दी गई। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में जेट ईंधन (एटीएफ) की कीमत 2,677.88 रुपये प्रति किलोलीटर या 2.9 प्रतिशत बढ़कर 92,021.93 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। यह देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। यह वृद्धि पिछले महीने 7.5 प्रतिशत (6,271.5 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी वृद्धि के बाद हुई है, जिससे एयरलाइनों की परिचालन लागत बढ़ गई है। अप्रैल से शुरू हुई तीन मासिक कटौतियों के बाद जुलाई में यह बढ़ोतरी हुई है। तीनों कटौतियों में कुल मिलाकर कीमतों में 12,239.17 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती हुई थी। इसके बाद की बढ़ोतरी (8,949.38 रुपये प्रति किलोलीटर) ने लगभग तीन-चौथाई लाभ खत्म कर दिया है। एटीएफ की कीमत में वृद्धि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार युद्ध के बाद अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों में आई तेजी के अनुरूप है। इस वृद्धि से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा, जिनके लिए ईंधन परिचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत है। मूल्य वृद्धि के प्रभाव पर एयरलाइनों से तत्काल कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हो सकी। मुंबई में एटीएफ की कीमत 83,549.23 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़ाकर 86,077.14 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई।

02 08 2025 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

युविका चौधरी
अभिनेत्री

अनवी अग्रवाल, शिवानी शर्मा, लता शर्मा, रीनू चौधरी

आशा सिंह, गीतांजलि, डॉली अत्रे, आरती भाटी, बबीता त्यागी, हरेन्द्र भारद्वाज

सचिन त्यागी, अनुज कुमार ठाकुर, प्रशांत शर्मा, राज श्रीवास्तव, ओमप्रकाश विज

सुरेन्द्र सिंह, अशोक चौधरी, जगदीश शर्मा, कुलदीप चौधरी, सोहनपाल कंडेरे

सतीश कसाना, मोहित सिंह, नितिन भारद्वाज, दिलीप चौधरी, शरद त्यागी

फिरोज खान, यामीन अंसारी, अमन कुमार, गोरखनाथ तिवारी, राहुल सिंह

अजय कुमार कस्तूरी, सुनील कुमार शर्मा, अर्पित गुप्ता

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

हापुड़ चुंगी पर ट्रैफिक निरीक्षक मनोज ने सिखाए यातायात के नियम, छात्रों को किया जागरूक

नशे में वाहन नहीं चलाने और यातायात नियमों का पालन करने का दिया संदेश

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सड़क हादसों में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए इन दिनों ट्रैफिक पुलिस गाजियाबाद अलग-अलग प्रमुख स्थानों पर छात्रों से लेकर वाहन चालकों को नशे से दूर रहने और नशे की हालत में वाहन न चलने का संदेश दे रही है। शुक्रवार को गाजियाबाद में ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के अंतर्गत स्कूली छात्रों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी।

इस दौरान शहर के प्रमुख हापुड़ चुंगी चौराहे पर यातायात निरीक्षक मनोज ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा और किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने दूर रहने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की कम आयु के किसी भी छात्र को वाहन नहीं चलाना चाहिए। सभी विद्यार्थी यातायात नियमों का पालन करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। इस अवसर पर पुलिस कोर की टीम ने छात्रों को ट्रैफिक चिन्हों, सड़क पार करने के सही तरीकों, सीट बेल्ट और हेलमेट के महत्व जैसी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

पानी की मांग को लेकर 26 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर कूच करेंगे खोड़ा कॉलोनी के लोग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। खोड़ा कॉलोनी में पानी की समस्या को लेकर शुक्रवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भारी संख्या में महिलाएं एवं पुरुषों की भागीदारी रही। बैठक की अध्यक्षता कर रहे खोड़ा रेजिडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक जोशी ने बताया कि खोड़ा में पानी की मांग को लेकर पिछले 8 वर्षों से लगातार आंदोलन किया जा रहा है। लेकिन प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता बताती है कि उन्हें इस कॉलोनी से कोई लेना देना नहीं है। उनका केवल चुनाव के दौरान खोड़ा में आना, जनता से बड़े-बड़े वादे करना लेकिन उन बातों पर कोई काम ना करना, जिसे लेकर अब जनता में भारी गुस्सा है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान झूठ बोलकर जो जनता से वोट लिया था, जनता उन्हें सबक सिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया खोड़ा के चारों तरफ हर वार्ड में प्रबुद्ध लोगों से संपर्क किया जा रहा है। छोटी-छोटी बैठक की जा रही है। पानी की मांग को लेकर 26 अक्टूबर विशाल मार्च दिल्ली प्रधानमंत्री कार्याल की तरफ खोड़ा की जनता कुच करेगी।

जिसके लिए लगातार खोड़ा में बैठके जारी है। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी सरदार सिंह यादव, नरेश चंद, बी एस नेगी, पार्वती देवी, प्रदीप सिंह, विमला देवी, अशोक कुमार मौर्य, संदीप सिंह, रंजीत सिंह, विनोद, माधुरी देवी, निहालउद्दीन, राखी, पार्वती देवी, विकास जाटव, राम शंकर, देवेंद्र सिंह, विनोद आदि उपस्थित रहे।

जल निगम ने कहा, खोड़ा में जल परियोजना निरस्त नहीं हुई है

करंट क्राइम। खोड़ा रेजिडेंट्स एसोसिएशन द्वारा 5 जुलाई को एक आरटीआई लगाई थी जिसमें जल निगम से सवाल किया गया था कि क्या 183 करोड रुपए की योजना निरस्त हो गई? आरटीआई के उत्तर में उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा 28 जुलाई को जवाब दिया गया कि 183 करोड रुपए की योजना निरस्त नहीं की गई हैं बल्कि कार्यवाही प्रकियाधीन हैं। के आर ए अध्यक्ष दीपक जोशी ने कहा कि जब तक खोड़ा में पानी नहीं आ जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

सिहानी, सद्दीक नगर में अवैध निर्माण पर चला प्राधिकरण का बुलडोजर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जीडीए उपाध्यक्ष के निर्देशन में एवं प्रभारी प्रवर्तन जोन-1 के नेतृत्व में शुक्रवार को धीरेन्द्र त्यागी द्वारा खसरा संख्या-719, ग्राम सिहानी, सद्दीकनगर गाजियाबाद पर लगभग 450 वर्ग गज क्षेत्रफल में एवं रोहताश त्यागी, विकास त्यागी एवं मुनेन्द्र त्यागी द्वारा खसरा संख्या-424 ग्राम सिहानी, सद्दीकनगर गाजियाबाद पर लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में बिना अनुमति प्राप्त कर, किये गये अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है।

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान अवैध निर्माणकर्ताओं द्वारा भारी विरोध प्रकट किया गया, लेकिन पुलिस व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते की प्रभावी कार्रवाई के द्वारा नियन्त्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। प्रभारी अधिकारी प्रवर्तन जोन-1 द्वारा लोगों को सख्त निर्देश दिये गये कि बिना अनुमति प्राप्त किये गये किसी भी निर्माण को बक्शा नहीं जायेगा। उपरोक्त अनाधिकृत रूप से किये गये निर्माण के विरुद्ध सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता एवं प्रवर्तन जोन-1 के समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। आगामी माह में भी ध्वस्तीकरण/सील की कार्यवाही किये जाने का अभियान जारी रहेगा।

दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नेहरू नगर स्थित दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर में भारतीय रसायन विज्ञान के पितामह आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 25 जुलाई से विज्ञान सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में शुक्रवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। इस प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं द्वारा विज्ञान के विभिन्न प्रकार के मॉडल जैसे राडार, ऑटोमेटिक जल पंप, पदार्थ की तीन मुख्य अवस्थाएँ ठोस, तरल, और गैस, दूध की शुद्धता की जांच, प्लांट सेल, सुरक्षा अलार्म इत्यादि प्रस्तुत किये गये। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य विपिन राठी ने किया। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं से उनके द्वारा बनाए गए मॉडल के संबंध में चर्चा वार्ता की। तथा उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य मनोज कुमार , वंदना वर्मा ने भी मॉडल का निरीक्षण किया तथा उनकी प्रस्तुतीकरण

के आधार पर अंक देकर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान निर्धारित किए । प्रदर्शनी का आयोजन करने में विज्ञान विभाग के विभाग प्रमुख श्री लाललमणि शर्मा, सभी शिक्षक डा० सिम्मी त्यागी, नवीन कुमार, मानव त्यागी, मनोज सिंह, हरिंदर कुमार, अंजू शर्मा, रंजना वर्मा , कनिका का विशेष सहयोग रहा।

स्व. राजेन्द्र त्यागी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद, करंट क्राइम। स्व. राजेन्द्र त्यागी निवासी मोरटा की श्रद्धांजलि सभा में सभी गणमान्य लोग उपस्थित हुए। प्रवीण त्यागी, रविन्द्र त्यागी, सुधन रावत, अजीतपाल त्यागी, प्रशांत चौधरी, एमएलसी सुदेश शर्मा, डॉ विपिन त्यागी, मनोज त्यागी, दीपक त्यागी, आर के शर्मा, सतीश जैन, अनिल यादव, रमन त्यागी, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जे पी कश्यप, राकेश चौहान, विक्रम सिंह, पंकज भारद्वाज, विजेंदर यादव, सुरेंद्र मुन्नी, संजय त्यागी, पुनीत त्यागी, तेजवीर त्यागी, माधव चौधरी, रामकुमार त्यागी, राजेश यादव, रोशन लाल, गुलजार सिंह, सैकड़ों की संख्या में पुष्प चढ़ाकर नमन किया। परिवार जनों ने - सचिन त्यागी, नितिन त्यागी, अखिलेश त्यागी, नीटू त्यागी, टीटू त्यागी, अंकित त्यागी, संदीप त्यागी - सभी का आभार जताया।

पोक्सो अधिनियम पर प्रशिक्षकों की कार्यशाला आयोजित

गाजियाबाद/प्रयागराज, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश ने समग्र शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की राज्य सलाहकार सरिता सिंह के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण पहल की है। समाधान अभियान और इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड की 'चुप्पी तोड़-हल्ला बोल' परियोजना के तहत, समाधान अभियान की संस्थापिका श्रीमती अर्चना अग्निहोत्री को पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम पर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए आमंत्रित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रयागराज में आयोजित किया गया जिसमें कई प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। ये प्रशिक्षक 460 मास्टर ट्रेनर तैयार करेंगे। ये मास्टर ट्रेनर उत्तर प्रदेश के हर ब्लॉक में जाकर शिक्षकों को पोक्सो अधिनियम के बारे में जागरूक करेंगे, ताकि प्रत्येक बच्चे को बाल यौन शोषण से बचाया जा सके और उन्हें इस विषय पर जागरूक किया जा सके। ये प्रशिक्षित विशेषज्ञ आगे चलकर बच्चों, शिक्षकों और समुदायों सहित एक बड़े वर्ग को शिक्षित और संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य एक ऐसा सुरक्षित और सहायक वातावरण बनाना है, जहां बच्चे बिना किसी डर के आगे बढ़ सकें और अपनी पूरी क्षमता का विकास कर सकें।

किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त को लेकर संगठनात्मक बैठक सम्पन्न

गाजियाबाद में आज होगा लाइव प्रसारण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त 2 अगस्त को देशभर के किसानों को जारी की जाएगी। प्रत्येक पात्र किसान के खाते में 2,000 की यह किश्त सीधे ट्रांसफर की जाएगी, जिससे अब तक की कुल राशि 40 हजार हो जाएगी। इस महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण के लाइव प्रसारण को लेकर गाजियाबाद महानगर भाजपा द्वारा आज एक संगठनात्मक कार्ययोजना बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री मोदी के उद्बोधन और योजना के सीधा प्रसारण को मुरादनगर ब्लॉक, रजापुर ब्लॉक एवं गोविंदपुरम मंडी स्थल पर भव्य रूप से दिखाया जाएगा। इस अवसर पर महानगर के 20 मंडलों, किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, सभी महानगर पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का समयः 2 अगस्त 2025, प्रातः 10:00 बजे, स्थलः मुरादनगर ब्लॉक, रजापुर ब्लॉक, गोविंदपुरम मंडी स्थल महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों के हित में लिया गया यह निर्णय उनकी किसानों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गाजियाबाद महानगर भाजपा इस क्षण को जनभागीदारी के साथ मनाएगी। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि किसान सम्मान का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि इसी दिन वाराणसी के सेवापुरी (कालिकाधम) में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में 2,200 करोड़ से अधिक की 53 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी होगा। गाजियाबाद महानगर भाजपा द्वारा भी इस ऐतिहासिक अवसर पर एकजुट होकर प्रधानमंत्री के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है।

हिंडन हवाई अड्डे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का जोरदार स्वागत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय शुक्रवार को मुरादाबाद जाने के लिए हिंडन हवाई अड्डे पर उतरे उनके पहुंचने पर गाजियाबाद के कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया इस दौरान अजय राय ने कहा कि पूरे प्रदेश में संगठन सृजन का कार्य जोर-शोर से चल रहा है सभी कार्यकर्ता बोथ और ब्लॉक लेवल पर संगठन को मजबूत करने के लिए जुटे हुए हैं। विधानसभा चुनाव से पूर्व संगठन को पूरी तरह से मजबूत कर लिया जाएगा।

हिंडन हवाई अड्डे पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का स्वागत करने वालों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ संजीव शर्मा, बदरुद्दीन कुरैशी, कांग्रेस नेता विशाल वशिष्ठ, सुनील शर्मा, चन्द्रशेखर , दिनेश अवाना, विवेक त्यागी, शहाबुद्दीन , पौरुष शर्मा , मांगेराम त्यागी , सेवादल वरिष्ठ नेता सुरेश दौसा ,कृष्ण कांत शर्मा , समीर अली और शान मुहम्मद आदि शामिल रहे।

आज मनाया जायेगा 'पीएम किसान उत्सव दिवस'

किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त आज मिलेगी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राम जतन मिश्र, उप कृषि निदेशक गाजियाबाद ने अवगत कराया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत कृषकों को दी जाने वाली 20वीं किस्त आज प्रधानमंत्री द्वारा वाराणसी उत्तर प्रदेश से जारी की जाएगी। यह कार्यक्रम 'पी०एम०-किसान उत्सव दिवस' के रूप में जनपद के सभी विकासखण्डों, कृषि विज्ञान केन्द्र, पीएम—किसान समृद्धि केन्द्रों, पीएसीएस तथा एफपीओएस पर प्रसारित किया जायेगा। किसान भाई वर्चुअल रूप से https://pmi»»fdiÔwebcÔt.»»fic.i»»f लिंक के माध्यम से जुड़कर लाइव प्रसारण देख सकते है। यह कार्यक्रम प्रातः 10 से 11 बजे तक स्थानीय स्तर पर किया जायेगा, तत्पश्चात मुख्य कार्यक्रम 11.00 बजे से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण होगा। प्रधानमंत्री का कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात प्रदेश में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में उपस्थित लाभार्थियों से सम-सामयिक तकनीकी चर्चा का सत्र चलाया जायेगा। इस कार्यक्रम में तकनीकी सत्र के अन्तर्गत कृषि, पशुपालन, ग्राम्य विकास, समाज कल्याण आदि विभाग द्वारा योजनाओं की भी जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी। किसान भाईयों से अनुरोध है कि विकास खण्ड परिसर पर उपस्थित होकर विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने विद्युत अधोसंरचना सुधार के लिए उठाई आवाज

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की समीक्षा बैठक शुक्रवार को कवि नगर स्थित स्काडा ट्रेनिंग सेंटर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता निगम की प्रबंध निदेशक ईशा ढौहन (आईएएस) ने की। बैठक में गाज़ियाबाद जनपद के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वितरण क्षेत्रों के राजस्व एवं तकनीकी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष दिनेश मित्तल एवं महासचिव मुकेश गुप्ता ने भाग लिया। उन्होंने क्षेत्र में जर्जर अधोसंरचना, बार-बार होने वाली ट्रिपिंग और नए बिजली घरों के निर्माण में हो रही देरी पर गहरी चिंता जताई।

मुकेश गुप्ता ने कहा कि, उद्योगों की उत्पादन क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। ट्रिपिंग की समस्या और कमजोर लाइनों के कारण बार-बार घंटों बिजली बाधित हो रही है, जिससे उद्योगों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। एसोसिएशन ने मांग रखी कि पुराने और जर्जर खंभों व लाइनों को प्राथमिकता के आधार पर बदला जाए। बिजली घर निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। ट्रिपिंग की समस्या के स्थायी समाधान हेतु तकनीकी उपाय अपनाए जाएं। प्रबंध निदेशक ईशा ढौहन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सुझावों पर गंभीरता से अमल किया जाए और सुधार कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।

कुकर फैक्ट्री का लेंटर गिरा, तीन मजदूर घायल

लापरवाही को लेकर उठे कई सवाल

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर इलाके में एक कुकर निर्माण फैक्ट्री का लेंटर अचानक गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे के वक्त फैक्ट्री में काम चल रहा था, तभी निमार्णाधीन लेंटर भरभराकर ढह गया और तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को मलबे से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्र को घेरकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। अभी तक किसी की मृत्यु की सूचना नहीं है, लेकिन घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे ने निर्माण कार्य में लापरवाही को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि फैक्ट्री में लंबे समय से बिना किसी तकनीकी निरीक्षण के निर्माण हो रहा था। न तो मजदूरों के लिए सुरक्षा उपकरण थे और न ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का कोई ध्यान रखा गया। हादसे के बाद अब जिला प्रशासन और श्रम विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि निर्माण कार्य की समय-समय पर जांच की जाती और सुरक्षा मानकों को गंभीरता से लिया गया होता, तो शायद यह हादसा टल सकता था।

फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और फैक्ट्री मालिक व निर्माण एजेंसी की भूमिका की छानबीन की जा रही है। घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है। प्रशासन के सामने अब एक बड़ी चुनौती यह है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं और जिम्मेदारों को जवाबदेह ठहराया जाए।

भारी बरसात के बाद जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का नगरायुक्त ने लिया जायजा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम लगातार जल निकासी का कार्य प्राथमिकता पर कर रहा है जिसके लिए संबंधित विभागीय अधिकारी भी दिन-रात व्यवस्था संभालने में लगे मानसून के चलते भारी बरसात हो रही है जिसमें अधिकांश क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन रही है जिसको संभालने के लिए जल निकासी का कार्य स्वास्थ्य तथा जलकल विभाग द्वारा किया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक भी लगातार स्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं तथा टीम को मोटिवेट करते हुए जल निकासी कराई जा रही है। इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा विशेष रूप से डूब क्षेत्र का जायजा लिया गया जिसमें सुदामापुरी क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया। वार्ड संख्या सात सुदामापुरी पहुंचकर नगर आयुक्त द्वारा टीम को तत्काल कार्यवाही करने तथा उपकरण बढ़ाने के निर्देश दिए गए। मौके पर चार से अधिक पंप सेट लगाए गए तथा जल निकासी जारी है। निरीक्षण के समय जलकल विभाग के अलावा स्वास्थ्य विभाग अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश तथा मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी भी उपस्थित रहे।

अगर आपके क्षेत्र में जलभराव हो तो निम्नलिखित नंबरों पर डायल करें

मोहन नगर तथा वसुंधरा इंदिरापुरम 8178018395
विजयनगर 8178016830
सिटी अंतर्गत जल निकासी के लिए 8178016854
कवि नगर 8178018396

सुदामापुरी पहुंचे नगर आयुक्त, जल निकासी हेतु टीम को दिए निर्देश, बढ़ाये गए उपकरण

करंट क्राइम। महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद द्वारा बताया गया कि शहर में भारी बरसात के बाद जल निकासी का कार्य लगातार चल रहा है जिसमें विशेष रूप से डूब क्षेत्र में भी उपकरण लगे हुए हैं। सुदामापुरी में जल निकासी का कार्य जोर से कराया जा रहा है। नगर आयुक्त के द्वारा भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निर्माण विभाग द्वारा कई स्थानों पर पंचर करते हुए जल निकासी में सहयोग किया है। स्वास्थ्य विभाग जेसीबी के माध्यम से लगातार जल निकासी में सहयोग कर रहे हैं। जलकल विभाग द्वारा एसटीपी में टेंपरेरी व्यवस्था करते हुए जल निकासी का कार्य जारी रखा हुआ है। इसके अलावा अन्य डूब क्षेत्र में भी व्यवस्था को बनाने के लिए निगम विशेष कार्यवाही कर रहा है।

भारी बरसात में हो रहे जलभराव पर नगर आयुक्त ने शहरवासियों से की सावधानी बरतने की अपील

करंट क्राइम। निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त द्वारा क्षेत्रवासियों से भी संपर्क करते हुए क्षेत्र की समस्याओं के समाधान पर चर्चा की। सुदामा पुरी क्षेत्र की निवासियों द्वारा भी नगर आयुक्त से वार्ता करते हुए जल्द से जल्द जल निकासी करने तथा समस्या के समाधान के लिए चर्चा की गई। निर्माण स्वास्थ्य तथा जलकल विभाग संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए शहर में जल निकासी का कार्य प्राथमिकता पर कर रहा है। नगर आयुक्त द्वारा भारी बारिश के चलते शहरवासियों से सावधानी बरतने की अपील की है। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि उपकरणों के माध्यम से लगातार जल निकासी की जा रही है तथा सफाई अभियान का कार्य भी युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। जलभराव के स्थलों पर विशेष रूप से शहर निवासी सावधानी बरतें अपील की जा रही है।

सी.एस.एच.पी पब्लिक स्कूल के छात्रों का अद्भुत प्रदर्शन

काव्य ने रजत पदक एवं सत्यम ने कांस्य पदक जीता

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सी.एस.एच.पी पब्लिक स्कूल प्रताप विहार के छात्रों ने सी. बी.एस. ई. द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अविस्मरणीय प्रदर्शन कर अपने विद्यालय और गाजियाबाद क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अपने अद्भुत प्रदर्शन द्वारा सभी को हैरान कर दिया है। सी. बी. एस. ई. नॉर्थ जोन योगा प्रतियोगिता जो कि जी. डी.गोयनका स्कूल में आयोजित हुई,उसमें नवीं कक्षा के काव्य ने रजत पदक एवं ग्यारहवीं कक्षा के सत्यम ने कांस्य पदक जीतकर अपना और अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। सी. बी. एस. ई. नॉर्थ जोन - 1 नालंदा वर्ल्ड स्कूल सहारनपुर में आयोजित योगा प्रतियोगिता में कक्षा सात की ईशान्वी तिवारी ने रजत पदक अपनी झोली में डाला। इतना ही नहीं विद्यालय के इन छात्रों काव्य,सत्यम, ईशान्वी तिवारी, संजीता साहू और नव्या जैन ने राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए अपना स्थान पक्का किया है।

छात्रों की इन उपलब्धियों से संपूर्ण विद्यालय गौरान्वित अनुभव कर रहा है। विद्यालय निर्देशिका सविता गुप्ता ने छात्रों को हृदय से बधाई देते हुए प्रशंसा की। विद्यालय प्रधानाचार्या ममता शर्मा ने विजयी छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

बाजारों में रखना होगा सुरक्षा का पहरा

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में गुरुवार की रात जहां एसीपी और थाना प्रभारियों के स्तर वाली लिस्ट जारी होने के बाद कई अंडर ट्रांसफर टू-स्टार रखना किए गए हैं, तो पुलिस कमिश्नरेट के तीनों जोन में नई टीमें बनाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। लिस्ट से संदेश दिया गया है कि अब पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अलग-अलग जोन को पहले से ज्यादा बेहतर और कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत बनाने पर जोर देने की तैयारी शुरू हो गई है। पुलिस के सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय पर जो मीटिंग हुई है, उसमें आगामी त्यौहार और अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई है। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरीके से रक्षाबंधन वाला त्यौहार आ रहा है। जिसमें बहने और महिलाएं बाजारों में अधिक निकलेगी, ऐसे में वारदातों को रोकने के लिए पुलिस को बाजारों में सुरक्षा का पहरा रखना होगा। तो वहीं बाजारों और महिलाओं की खरीदारी करने के लिए अधिक पहुंचने के दौरान उनके साथ वारदात होती हैं और अब वारदात रोकने के लिए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के अधिकारियों ने मॉनिटरिंग का स्तर बढ़ना शुरू कर दिया है। सूत्र बता रहे हैं कि बीते दिनों सिटी जोन में झपटमारी की वारदात को लेकर अधिकारियों ने रूख सख्त कर लिया है और सूचना से लेकर खुलासों के लिए दिशा- निर्देश दिए जा रहे हैं। तो वहीं जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में थाना प्रभारी वाली लिस्ट आई है, उसके बाद कमिश्नरेट सिस्टम वाले कई ऐसे थ्री-स्टार अभी वेटिंग लिस्ट में हैं, जो काफी मजबूत कैंडिडेट माने जा रहे थे और उनको चार्ज मिलने की प्रबल संभावना भी थी। वहीं सूत्र बता रहे हैं कि भले लिस्ट लंबी आई हो पर इस लिस्ट के बाद भी अगस्त में त्यौहारी सीजन के बाद कुछ चेहरों के हटने और जुड़ने की संभावना की जानकारी मिल रही है। बताया जा रहा है कि सिटी से लेकर देहात और नदिया पार में जिस तरीके से टू-स्टारों की संख्या कम करनी थी, इसको लेकर भी आने वाले दिनों में कड़े फैसले लेने की जानकारी मिल रही है। तो वही फिलहाल कमिश्नरेट वाले सिस्टम में टू-स्टार की जगह थ्री-स्टार की पोस्टिंग बता रही है कि जो साहब का प्लान था, वह उसी के अनुसार चल रहे हैं। कुल मिलाकर देखना यह होगा कि त्यौहारी सीजन के दौरान किस तरीके की वारदातों को रोकने के लिए प्लान बनता है और पुलिस के अधिकारी उसमें कितने सफल होते हैं।

लोनी की गिरी मार्केट में जलभराव से व्यापार ठप, नगर पालिका पर उठे सवाल

गाजियाबाद (लोनी)। करंट क्राइम। लोनी क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 और 14 में स्थित गिरी मार्केट इन दिनों गंभीर जलभराव की समस्या से जूझ रही है। बारिश के बाद नालों का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर फैल गया है, जिससे बाजार और आसपास की कॉलोनियों में आवागमन और व्यापार दोनों पर बुरा असर पड़ा है। गिरी मार्केट को लोनी का व्यापारिक केंद्र माना जाता है, जहां वर्षों से सैकड़ों दुकानें संचालित हो रही हैं। लेकिन नगर पालिका की लापरवाही के चलते यह क्षेत्र पूरी तरह जलमग्न हो गया है। नालों से निकला गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे बदबू और बीमारी का खतरा बढ़ता जा रहा है। स्थानीय व्यापारी सचिन वर्मा ने बताया कि नगर पालिका को बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय विधायक नंदकिशोर गुर्जर को जब यह स्थिति बताई गई, तो उन्होंने मौके पर तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए, लेकिन नगर पालिका प्रशासन अब भी निष्क्रिय बना हुआ है। व्यापारियों ने गाजियाबाद के जिलाधिकारी से अपील की है कि वे इस समस्या का तुरंत संज्ञान लें और गिरी मार्केट में जल निकासी की पुख्ता व्यवस्था कराएं। जलभराव के चलते ग्राहक बाजार नहीं पहुंच पा रहे हैं।

कोर वाले क्या टिकट के लिये नहीं लगा सकते जोर

कोर कमेटी फूल वालों के यहां अहम मानी जाती है। माना तो ये भी जाता है कि टिकट का रास्ता कोर कमेटी होकर जाता है, लेकिन फूल वाले बताते हैं कि हमारे यहां टिकट का रास्ता पता नहीं कितने दरवाजों से होकर गुजरता है। बात इस बात को लेकर चली कि नदिया पार वाले एक कोर कमेटी के मेंबर अपनी पत्नी के लिये पार्षदी का टिकट मांग रहे थे। बात ये चली कि कोर कमेटी के एक मेंबर तो अपनी पत्नी के लिये मेयर का टिकट भी मांग रहे थे और फिर बात ये चली कि कोर कमेटी के इन मेंबरों ने क्या किसी ओर का नंबर आने दिया होगा। पता चला कि पार्षद वाला टिकट तो कोर कमेटी वाले अपनी वाइफ के लिये ले आए और मेयर वाले टिकट पर कोर वालों की नहीं चली। किस्सा अब कोर वालों तक पहुंचा है और वहां से भी जोर इस बात पर है कि किस नियम के तहत लिखा है कि कोर कमेटी वाले टिकट नहीं मांग सकते। कोर कमेटी वाले केवल नाम रख सकते हैं और यह नाम भी सामूहिक सहमति के बाद लखनऊ जाते हैं, दिल्ली जाते हैं और कई बार तो यहां से पूरा वजन लेकर चले नाम दिल्ली और लखनऊ में एकदम हल्के हो जाते हैं। इसलिये कोर कमेटी वाले का कहना है कि जिससे जो जोर लगाया जाए वो लगा लें, हमने कल भी टिकट मांग था और हम आने वाले कल में भी टिकट मांगेंगे।

जब लगी निगम में आग तो क्यों हो गई और पार्षदों में भागमभाग

नगर निगम में आग लगी और आग की खबर फैलते ही अचानक ठेकेदारों और पार्षदों में भागमभाग शुरू हो गई। आपस में एक-दूसरे के फोन घनघनाने लगे। सभी नगर निगम मुख्यालय की ओर जाने लगे। पता चला कि विकास से जुड़े विकास पुरुषों को कतई भी विश्वास सिस्टम पर नहीं था। ठेकेदारों को ये लग रहा था कि एमबी वाली बुक ना जल गई हो और किसी को ये शक था कि वर्क ऑर्डर वाली फाइल ना जला दी हो। किसी को अपने बिलों की चिंता थी। वहीं दूसरी तरफ निगम पार्षदों ने तो ये मान लिया था कि ये आग हमारे लिये लगी है। उन्हें लग रहा था कि मिनट्स बुक तो जलकर राख हो गई, लेकिन बाद में पता चला कि ठेकेदारों की बिल बुक भी सेफ रही और मिनट्स वाली बुक को भी कोई खतरा नहीं था, लेकिन ये खुलकर सामने आ गया कि नगर निगम में विकास का प्रस्ताव लाने वाले पार्षदों और विकास का काम कराने वाले ठेकेदारों में विकास के प्रति कितना विश्वास है।

कौन से पांच पार्षद चाहते हैं नगर विकास मंत्री से मिलना

सदन में पूरा फूल बहुत के साथ खिला है, मगर उसके बाद भी फूल वाले मोहल्ला प्रधानों को सदन की मुखिया से गिला है। वो तो शुक्र है कि अविश्वास वाला सीन नहीं है, वरना हो जाए कि एक बार तो सरकार को भी विश्वास नहीं आए। पता चला है कि नगर निगम के पांच फ्लोवर पार्षद ही लखनऊ जाकर नगर विकास मंत्री से मिलना चाहते हैं। बताते हैं कि बात की भूमिका भी एक विधायक के निवास पर तय हुई है। विधायक जी तो अपने गम में थे, लेकिन वहां पहुंचे पार्षद मौका पाते ही नगर विकास मंत्री की तरफ लपक लिये। इन पार्षदों में वो पार्षद थे जो निगम वाली मैडम के करीबी माने जाते हैं। बताते हैं कि वो अपने साथ एक व्यापारी नेता को लेकर गए थे। पहले व्यापारी नेता ने मंत्री जी के आगे बात रखी, लेकिन मंत्री जी का रेस्पांस कुछ कूल रहा। उसके बाद मैडम के करीबी पार्षद ने मंत्री जी के करीबी पंडित जी को लपका और फिर उन्होंने मंत्री जी से कहा कि हम आपसे मिलना चाहते हैं। मंत्री जी ने उन्हें लखनऊ आने का न्यौता दिया और कहा कि पांच पार्षद आ जाओ और अपनी पूरी बात बताना। अब कहानी में कार वाला मोड़ है, क्योंकि मंत्री जी के करीबी का कहना है कि कार पार्षदों की होगी, सरकार हमारी होगी और बातचीत कराना मेरी जिम्मेदारी है, लेकिन घोड़ा गाड़ी का इंतजाम कराना पार्षदों की जिम्मेदारी है।

मुलाकात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व केंद्रीय मंत्री वीमुख्तार अब्बास नकवी से भाजपा नेता सरदार एसपी सिंह ने मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा भी की।

क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारी क्यों कहा कहने वाले ने कि इस बात को मत समझो पहला ही पंच? हम बता रहे हैं डिनर से पहले भी वो कर चुके हैं उनके साथ लंच? कहने वाले ने कहा हमें इसलिए भाता है उनका किरदार? वो सम्मान वाले मामले में नहीं आने देते हैं दरार? राजनीति को रखते हैं वो अपनी जगह और अपनी जगह पर रखते हैं वो व्यवहार? इसलिए जो हो रहे हैं उनकी डिनर वाली डिप्लोमेसी पर हैरान? वो उनके अगर किरदार को समझ गये तो नहीं होंगे परेशान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं खुद को रखना चाहता हूं आजाद? मैं इसलिए नहीं जाना चाहता हूं भगवा योद्धा के पास? मुझे पता है उनमें है पार्टी को लेकर जुनून सवार? वो संगठन को मजबूत कैसे करना है, करते रहते हैं अक्सर इस पर विचार? कहने वाले ने कहा उनकी वोल्टेज के अनुसार मेरा हल्का सा है फ्यूज? मैं उनसे दूर ही ठीक हूं? मुझे इतनी जल्दी नहीं होना है डिफ्यूज?

क्यों कहा कहने वाले ने कि एक प्रश्न उठा है मार्किट में? ना जाने वो कितना बड़ा है और ना जाने है कितना छोटा? मगर हमें पता चला है कि एक बडे.कॉलेज के मालिक एक जनप्रतिनिधि को कहते हैं लोटा? ना जाने वो क्यों मार रहे हैं खास लोगों के बीच में इस बात पर सोटा? लगता है इन जनप्रतिनिधि ने कर दिया है किसी बात पर इनका दिल छोटा? कहने वाले ने कहा लोटा बुलाने के पीछे कुछ तो है बात? क्योंकि वो किस तरफ झुक जाये, कह नहीं सकते साहब?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मिस्टर गर्ग बहुत ही गहरे खिलाड़ी हैं? वो भविष्य में मारेंगे देखना गुम चोट? वो मामला अगर वैश्य कोटे पर आया तो करेंगे एक बंसल चेहरे को प्रमोट? हमें पता है कि वो अंदरखाने इस ऊजार्वान सौम्य चेहरे की भूमिका कर रहे हैं शहर सीट पर तैयार? ये चेहरा आने वाले समय में दोनों गोयल्स को मजबूत वाली टक्कर देगा? इतना भी है हमको ऐतबार? सुना है आजकल इस चेहरे के गर्ग साहब के साथ होते हैं अक्सर दीदार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि यूं तो नदिया के इस और उस पार के कई गुर्जर चेहरे होना चाहते हैं भगवा योद्धा के रथ पर सवार? मगर यहां पर हमें पता चला है कि योद्धा को एक गुर्जर चेहरे को लेकर कुछ गलतफहमी है? वो सोचते हैं कि इस चेहरे के पीछे है बहुत बड़ा जनाधार? सुना है इस जनाधार की बात के पीछे ही उन्होंने इस चेहरे को अपने साथ शामिल करने का बना लिया है मन? आवाज नदिया के उस पार से ज्यादा सुनाई दे रही है? इस पार से सुनाई दे रही है कम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि आप अगर एक बात पर दोगे ध्यान? तो आपको सिर्फ एक ही ऐसे विधायक मिलेंगे जो नॉनवेज की दुकानों के खिलाफ उठाते हैं शब्दों का तूफान? क्रान्तिकारी विधायक को छोड़कर कोई दूसरा विधायक नहीं दिखाता है अपनी विधानसभा में इस तरह का प्रतिशोध? कहने वाले ने कहा अब क्या है उनके बोलने और इनकी खामोशी के पीछे राज? अगर आपको पता चले तो हमको भी बता देना साहब?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मुराद पूरी करने वाले विधायक यूं सोशल मीडिया पर आकर ज्यादा नहीं देते हैं बर्थडे की बधाई वाले संदेश? इस मामले में वो थोड़ा शांत ही रखते हैं अपना फेस? मगर ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी के बर्थडे पर जिस तरह उन्होंने उनके साथ फोटो लगाकर दी है बधाई? सच बता रहे हैं कंधे पर रखे हुए हाथ के पीछे हमें बहुत बड़ा संदेश दे रहा है दिखाई? उन्होंने देने वालों को दे दिया है माकूल जवाब? करा दिया है एहसास कि जिनसे हमारी मोहब्बत होती है? वो नहीं देखते हैं हमारे एरिया में विधानसभा वाला ख्वाब?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भाजपा में पंजाबी समाज के पास जो थी बची-कुची पॉवर? सरदार एसपी सिंह जी के पूर्व होते ही कमजोर हो गया है ये वाला भी टॉवर? सुना है मौलाना आजाद वाली जिम्मेदारी से काफी दिनों पहले मिल चुकी है उनको विदाई? अब ऐसा होने से हमें गाजियाबाद में पंजाबी समाज के पास कुछ भी नहीं दे रहा है दिखाई? हम चाहते हैं कि अब तो पार्टी करे इस समाज के किसी के चेहरे को कुछ देने पर विचार? आखिर हिसाब लगाकर देखो, पूरा पंजाबी समाज भगवा कृपा से चल रहा है बाहर?

क्यों कहा कहने वाले ने कि एक जाट पार्षद ने खींचा कुछ पार्षदों का ध्यान? कहा जिन मिनट्स को प्राप्त करने के लिए इतनी जद्दोजहद चल रही है? उन मिनट्स को तो कुछ ही मिनट्स में मैं लाकर दिखा सकता हूं श्रीमान? मुझे पता है मेरी ये बात कुछ पूर्व वालों को नहीं हो रही होगी बर्दाश्त? वो मुझसे मिनट्स लाने की बात नहीं कहेंगे? भले ही हो जाये कुछ भी बात?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम बैठे थे भाजपा के वरिष्ठ नेता मोहन जी के पास? हम उनसे कह रहे थे कि आप कह देते हो कभी-कभी ऐसी बात जो नहीं होती है किसी को बर्दाश्त? हमें पता चला है आपने हाल ही में एक पूर्व विधायक से किया था किसी बात पर क्लेश? आखिर क्यों हमेशा टोंट कसता है आपका फेस? उन्होंने कहा हमारे अंदर नहीं चलता है कोई भी बहाना? भले ही ये भाजपा नई हो गई हो? मगर हमारा अंदाज रहेगा पुराना?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

पिलखुवा नगर पालिका की 18 मीटर सड़क पर कब्जे की कोशिश नाकाम

पालिकाध्यक्ष की तत्परता से रोका गया अतिक्रमण

पिलखुवा, करंट क्राइम। नगर पालिका परिषद पिलखुवा की आवासीय कॉलोनी में स्थित 18 मीटर चौड़ी सार्वजनिक सड़क (खसरा संख्या 2518/1) पर अतिक्रमण करने की कोशिश एक बार फिर विफल कर दी गई। बताया जा रहा है कि दिलशाद अली पुत्र चांद खां द्वारा इस भूमि पर जबरन कब्जा कर 'चंद मस्जिद' के नाम से धार्मिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा था। पूर्व में भी नगर पालिका द्वारा दिलशाद के खिलाफ स्थानीय थाने में दो बार रिपोर्ट दर्ज कराई जा चुकी है। बीते रविवार को जब दिलशाद ने पुनः निर्माण कार्य शुरू किया तो पालिकाध्यक्ष विभु बंसल ने तत्परता दिखाते हुए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर मौके पर पुलिस बल की तैनाती करवाई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को तत्काल रुकवा दिया। पालिका प्रशासन का कहना है कि यह सड़क आमजन के आवागमन के लिए है और इसमें किसी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए नगर पालिका द्वारा उक्त भूमि पर दीवार का निर्माण कराया गया है। पालिका ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण अथवा धार्मिक रंग देने का प्रयास कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नरकीय जीवन जीने को मजबूर गिरी मार्केट वार्ड नंबर 14 के कॉलोनीवासी

लोनी, करंट क्राइम। लोनी नगर पालिका परिषद क्षेत्र अंतर्गत गिरी मार्केट वार्ड नंबर 14 में कुछ देर की बारिश होने पर सड़क पर हुआ जलभराव। नगर पालिका की जल निकासी में लापरवाही की पोल खोल रहा है। गिरी मार्केट की सड़क पर जलभराव होने के कारण स्थानीय लोगों एवं राहगीरों वाहन चालकों को कीचड़ एवं गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है और आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क पर गंदे जलभराव होने के कारण मच्छर, जहरीले कीड़े और कई प्रकार की संक्रामक बीमारियां उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है की नगर पालिका अधिकारी और जनप्रतिनिधि को इस समस्या के बारे में अवगत करा चुके हैं पर कोई भी इसकी सुध लेने वाला नहीं है जहां एक ओर नगर पालिका अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि क्षेत्र में विकास के बड़े-बड़े दावे करते नजर आते हैं वहीं विकास से वंचित गिरी मार्केट कॉलोनी में जरासी बरसात होने पर सड़क पर लबालब जलभराव हो जाता है और कई -कई दिनों तक गंदा पानी निकलता नहीं है जिसके कारण कॉलोनीवासियों को आवाजाही में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और महिला बच्चे गंदे पानी में गिरकर चोटिल भी होते हैं नगर पालिका कर्मचारी पंप सेट इंचार्ज अनीश कुमार, सुपरवाइजर दिनेश कुमार को फोन द्वारा बताने पर कई दिनों तक पानी न निकलवाना कहीं ना कहीं नगर पालिका कर्मचारियों की लापरवाही दर्शाता है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि यहां के लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं जबकि यह वार्ड नंबर 14 नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत आता है। कुछ लोगों का यह भी आरोप है कि जब वोटों की जरूरत पड़ती है तो सभी नेता जनप्रतिनिधि धूल छान लेते हैं और वोट लेने के लिए अनेक बार आते हैं। जब जनता की समस्या हो तो सिर्फ आश्वासन ही मिलता है।

एफबीआई निदेशक बोले- चीन के प्रभाव का मुकाबला करेगा न्यूजीलैंड में नया कार्यालय, ड्रैगन ने की आलोचना

अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन में एफबीआई के पहले कार्यालय का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कदम दक्षिण प्रशांत महासागर में चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए उठाया गया है

वेलिंगटन । उनके इस बयान ने न्यूजीलैंड केलिए कूटनीतिक असहजता पैदा कर दी। वहीं, चीन ने भी उनके बयान पर नाराजगी जताई है।

पटेल ने गुरुवार को वेलिंगटन में इस नए कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद वहां के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। यह कार्यालय अब खुफिया साझेदारी करने वाले 'फाइव आइज' देशों (अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन) के साथ न्यूजीलैंड को भी जोड़ेगा। यह नया कार्यालय उन एफबीआई अधिकारियों के लिए एक स्थानीय केंद्र के रूप में काम करेगा, जो अब तक ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा से निगरानी में काम कर रहे थे।

अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को एक वीडियो जारी किया, जिसमें पटेल कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि यह कार्यालय चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रभाव को रोकने में मदद करेगा। लेकिन न्यूजीलैंड के मंत्रियों ने इस दावे को विनम्रता से खारिज कर दिया। सरकार की तरफ से जारी बयान में चीन का कोई जिक्र नहीं किया गया और बताया गया कि बैठक का मकसद ऑनलाइन बाल शोषण और नशीली दवाओं की तस्करी जैसे अपराधों से निपटना था।

न्यूजीलैंड के मंत्रियों ने किया बचाव न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कहा, हमारी बातचीत में यह मुद्दा नहीं उठा। सुरक्षा सेवाओं की मंत्री जुडिथ कॉलिन्स ने कहा कि फोकस केवल अंतरराष्ट्रीय अपराध पर होगा। मैं किसी और की प्रेस विज्ञप्तियों पर प्रतिक्रिया नहीं देती। वहीं, व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले ने एक रिपोर्टर के सवाल के जवाब कहा कि सरकार ने कार्यालय के उद्घाटन का जश्न नहीं मनाया। उन्होंने कहा, कल सिर्फ इसकी घोषणा हुई थी और इस पर चर्चा की गई थी।

चीन ने एफबीआई निदेशक के बयान की निंदा की चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने शुक्रवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में पटेल के बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा, चीन का मानना है कि देशों के बीच सहयोग किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाने के लिए नहीं होना चाहिए। चीन को रोकने के नाम पर छोटे गुट बनाना, एशिया-प्रशांत और दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए नुकसानदायक है।

अमेरिका ने ट्रंप के लिए मांगा शांति का नोबल भारत पाकिस्तान संघर्ष की बात कर कैरोलिन लेविट ने किया ये दावा

वॉशिंगटन । व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए शांति के नोबल पुरस्कार की मांग की। लेविट ने बृहस्पतिवार की रात नियमित पत्रकार वार्ता में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अब तक थाईलैंड और कंबोडिया, इस्राइल और ईरान, रवांडा और कांगो, भारत-पाकिस्तान, सर्बिया और कोसोवो और मिस्र एवं इथियोपिया के बीच संघर्षों को रुकवा चुके हैं। ट्रंप ने औसतन हर महीने एक विवाद को शांतिपूर्ण समाधान निकाला है। यह उन्हें शांति का नोबल दिए जाने का उचित समय है।

लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहे हिंसक संघर्ष को तत्काल रुकवाने के लिए मध्यस्थता की। उन्होंने दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों से सीधे फोन पर बात कर उन्हें बता दिया कि यदि संघर्ष नहीं रुकता है तो दोनों देशों के साथ किसी तरह की व्यापार वार्ता या समझौता नहीं होगा। इसके तत्काल बाद दोनों पक्षों में शांति स्थापित हो गई। इससे दोनों देशों में हजारों जानें बचीं और व्यापार वार्ता फिर शुरू होने की स्थिति बन पाई।

इस दौरान उन्होंने अमेरिका-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते पर भी बात की। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह समझौता इस बात की गारंटी देता है कि अमेरिकी व्यवसायों को हमारे अमेरिकी-निर्मित सामानों के निर्यात के लिए यूरोपीय संघ के बाजार में अभूतपूर्व पहुंच प्राप्त होगी। यूरोपीय संघ अपने ऊर्जा प्रभुत्व को मजबूत करने, प्रतिकूल स्रोतों पर यूरोपीय निर्भरता को कम करने और यूरोपीय संघ के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए 750 अरब डॉलर की अमेरिकी ऊर्जा खरीदेगा। इसके अलावा, यूरोपीय संघ अमेरिका में 60 अरब डॉलर का नया निवेश भी करेगा। ये सभी खरीद और निवेश 2028 के अंत तक हो जाएँगे।

अनावश्यक व्यापारिक टकराव की शुरूआत

वॉशिंगटन । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से आयातित चुनिंदा उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की घोषणा ने अमेरिकी व्यापार विशेषज्ञों, मीडिया और उद्योग संगठनों के बीच एक नई बहस को जन्म दे दिया है। इसे जहां कुछ हलकों में ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति के तार्किक विस्तार के रूप में देखा जा रहा है, वहीं कई अर्थशास्त्रियों और मीडिया के बड़े वर्ग ने इसे अनावश्यक व्यापारिक टकराव की शुरूआत बताया है, जो भारत जैसे रणनीतिक साझेदार के साथ संबंधों को चुनौती में डाल सकता है। एक तरह से यह आर्थिक युद्ध का एलान है, जिसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे।

वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार डेविड इग्नेशियस ने लिखा कि ट्रंप प्रशासन बार-बार सहयोगियों को भी उसी कठोर लाठी से हांकने की गलती कर रहा है, जिससे वह प्रतिद्वंद्वियों को नियंत्रित करना चाहता है। भारत के खिलाफ यह कदम, उस वक्त जब चीन और रूस के बीच गठजोड़ बढ़ रहा है, रणनीतिक रूप से अमेरिका के लिए नुकसानदेह हो सकता है। अखबार ने यह भी आगाह किया कि इस फैसले से भारतीय संसद में अमेरिका-विरोधी भावनाएं तेज हो सकती हैं और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) में अमेरिकी प्रभाव को चुनौती मिल सकती है।

न्यूयॉर्क टाइम्स : घरेलू औद्योगिक लॉबी को साधने का प्रयास न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि यह आर्थिक रणनीति नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक सख्ती है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस निर्णय की तीखी आलोचना करते हुए लिखा है कि ट्रंप प्रशासन का यह कदम विशुद्ध रूप से राजनीतिक है, जो नवंबर 2026 के अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले घरेलू औद्योगिक लॉबी को साधने का प्रयास है। अखबार ने कहा कि भारत से आयातित फार्मास्युटिकल्स, ऑटो पार्ट्स और इंजीनियरिंग गुड्स पर टैरिफ बढ़ाने से अमेरिकी चिकित्सा और विनिर्माण उद्योगों की लागतों में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है।

ब्लूमबर्ग : भारत अब वैकल्पिक बाजार तलाशेगा... ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत को चीन से इतर एक स्थिर और लोकतांत्रिक आपूर्ति श्रृंखला साझेदार मानते हुए अब तक अमेरिका ने सतर्क व्यापार नीति अपनाई थी। लेकिन 25% टैरिफ भारत को दक्षिण एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में अन्य बाजारों की ओर मोड़ सकता है। रिपोर्ट में विशेषज्ञों के हवाले से लिखा गया है कि यह कदम अमेरिका के लिए लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजिक लॉस में बदल सकता है। ट्रंप के इस फैसले को अमेरिका-भारत संबंधों में एक मजबूत दोस्त से आर्थिक प्रतिद्वंद्वी की ओर रुख करने के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि अभी भारत की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मेक्सिको पर मेहरबान ट्रंप, टैरिफ से दी 90 दिनों की राहत

वॉशिंगटन । मेक्सिको पर मेहरबान ट्रंप, टैरिफ से दी 90 दिनों की राहतअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मेक्सिको पर मेहरबान दिखे। उन्होंने मेक्सिको को टैरिफ से 90 दिनों की राहत दी है। ट्रंप ने मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने व्यापार समझौते पर बातचीत की। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि मेक्सिको फेंटेनाइल, कारों और अन्य वस्तुओं पर टैरिफ का भुगतान जारी रखेगा और अपने गैर-टैरिफ व्यापार प्रतिबंधों को तुरंत समाप्त कर देगा।

व्हाइट हाउस की प्रेस प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने प्रेस वार्ता में कहा, 'मेक्सिको हमारे लिए खास देश है, क्योंकि इसकी सीमा अमेरिका से जुड़ी हुई है। हम मेक्सिको के साथ मिलकर ड्रग्स और मानव तस्करी को रोकने के लिए काम कर रहे हैं। हम इस सहयोग की सराहना करते हैं और अच्छे रिश्तों में आगे भी मिलकर काम करते रहेंगे।' ट्रंप ने शिनबाम से फोन पर बातचीत को बताया सफल लेविट की यह टिप्पणी तब आई है, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर मेक्सिको की राष्ट्रपति शिनबाम के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत के समापन के बारे में जानकारी दी, जो बहुत सफल रही। ट्रंप ने कहा कि सीमा की समस्याओं और उसकी विशेषताओं के कारण मेक्सिको के साथ समझौते की जटिलताएं अन्य देशों से कुछ अलग हैं। हमने 90 दिनों की अवधि के लिए उसी समझौते को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है, जो हमने पिछले कुछ समय के लिए किया था।

फेंटेनाइल-कारों पर 25 और एल्युमीनियम-तांबे पर 50% टैरिफ देना जारी रखेगा मेक्सिको इसका मतलब यह है कि मेक्सिको फेंटेनाइल पर 25% टैरिफ, कारों पर 25% और स्टील, एल्युमीनियम और तांबे पर 50% टैरिफ देना जारी रखेगा। इसके अतिरिक्त, मेक्सिको ने अपने गैर-टैरिफ व्यापार अवरोधों को तुरंत समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है, जिनमें से कई पहले से ही मौजूद थे। ट्रंप ने कहा कि हम अगले 90 दिनों में मेक्सिको के साथ बातचीत करेंगे, जिसका लक्ष्य 90 दिनों की अवधि के भीतर या उससे भी अधिक समय में किसी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना है।

यूरोपीय संघ के साथ किया व्यापार समझौता

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रंप प्रशासन ने व्यापार और टैरिफ को लेकर कई अहम फैसले लिए हैं। सबसे खास बात यह है कि अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच एक बड़ा व्यापार समझौता हुआ है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत यूरोपीय संघ 750 अरब डॉलर की अमेरिकी ऊर्जा खरीदेगा। इसके अलावा, अमेरिका 18 अहम देशों के साथ भी अलग-अलग व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है।

लंदन में ब्रिटिश सिख शख्स की चाकू मारकर हत्या

लंदन । ब्रिटेन की राजधानी लंदन में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां एक 30 वर्षीय ब्रिटिश सिख युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गुरमुख सिंह उर्फ गैरी के रूप में हुई है। यह घटना 23 जुलाई को पूर्वी लंदन के इलफोर्ड इलाके में हुई। लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं।

मेट पुलिस के अनुसार, उन्हें लंदन एंबुलेंस सेवा से कॉल मिली थी कि एक आवासीय इलाके में झगड़ा हुआ है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो गैरी को चाकू से घायल पाया गया। मेडिकल टीम की तमाम कोशिशों के बावजूद गैरी की मौके पर ही मौत हो गई। पोस्टमार्टम में सामने आया कि उसकी मौत बाईं जांघ पर चाकू लगने से हुई पुलिस ने इस मामले में 27 वर्षीय अमरदीप सिंह को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया और अब वह लंदन के ओल्ड बेली कोर्ट में 5 जनवरी 2026 को सुनवाई तक हिरासत में रहेगा। पुलिस ने बताया कि अमरदीप और अन्य आरोपी मृतक के परिचित थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह एक आपसी झगड़े का मामला हो सकता है।

तीन महिलाएं भी गिरफ्तार इस मामले में पुलिस ने एक 29 वर्षीय पुरुष और तीन महिलाओं (उम्र 29, 30 और 54 साल) को भी हिरासत में लिया है। सभी को पूछताछ के बाद जमानत पर छोड़ दिया गया है और अब उन्हें अक्टूबर में फिर से बुलाया जाएगा। मेट पुलिस की डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर जोआना यॉर्के ने इसे एक अलग-थलग घटना बताया, लेकिन इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस जांच लगातार जारी मृतक के परिवार ने पुलिस के माध्यम से एक बयान जारी कर कहा कि गैरी एक ऐसा इंसान था, जो सभी से जुड़ जाता था। वह एक सामाजिक व्यक्ति था, जिसे अपने परिवार के साथ वक्त बिताना सबसे अच्छा लगता था। हम उसे कभी नहीं भूलेंगे, वह हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेगा। इस घटना ने ब्रिटेन के सिख समुदाय में गहरा दुख और चिंता पैदा की है। गैरी की हत्या को लेकर पुलिस जांच लगातार जारी है और अधिकारियों का कहना है कि वह सभी साक्ष्य जुटाकर दोषियों को सजा दिलाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

भारत का रूस से तेल खरीदना ही परेशानी की वजह नहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री का चौंकाने वाला बयान

वॉशिंगटन । अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि भारत, रूस से तेल खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है और यूक्रेन में युद्ध जारी है। मार्को रुबियो ने कहा कि भारत के साथ परेशानी की ये सबसे बड़ी वजह है, लेकिन इसके अलावा भी कई अन्य वजह हैं।

मार्को रुबियो बोले- रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई जारी रखने में मदद कर रहा भारत एक अमेरिकी मीडिया संस्थान के साथ इंटरव्यू में मार्को रुबियो ने दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप, इस बात से बेहद नाराज हैं कि भारत, रूस से लगातार तेल की खरीद कर रहा है, जबकि भारत के पास तेल खरीदने के लिए कई अन्य विकल्प मौजूद हैं। लेकिन रूस से तेल खरीदकर भारत, रूस की यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद कर रहा है। रुबियो ने कहा कि 'भारत को अपनी अर्थव्यवस्था के लिए ऊर्जा की बहुत ज्यादा जरूरत है। ऐसे में भारत, रूस से तेल खरीद रहा है क्योंकि रूस का तेल प्रतिबंधों के चलते सस्ता है। कई मामलों में रूस वैश्विक तेल की कीमतों से कम पर भी तेल बेच रहा है। लेकिन दुर्भाग्य से इससे रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई जारी रखने में मदद मिल रही है। इसलिए ये सबसे अहम वजह है, जिससे हमें परेशानी है, लेकिन ये सिर्फ इकलौती वजह नहीं हैं। हमारे बीच कुछ अन्य मुद्दे भी हैं, जिन पर असहमति है।'

इस मुद्दे पर भी है विवाद भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है, लेकिन एक मुद्दे पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। दरअसल भारत, अमेरिका के लिए अपने कृषि और डेयरी उद्योग को खोलने के लिए तैयार नहीं है, जबकि अमेरिका इसके लिए दबाव बना रहा है। अमेरिका भारत में अपने कृषि उत्पाद, जीएम फसलें, डेयरी उत्पाद, मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल आदि को बेचना चाहता है। अमेरिका की मांग है कि इन सेक्टर में टैरिफ कम किए जाएं। भारत का मानना है कि अगर उन्होंने कृषि और डेयरी सेक्टर अमेरिका के लिए खोला तो हमारे देश के छोटे किसान लाखों रुपये की सब्सिडी पाने वाले अमेरिकी किसानों से प्रतिद्वंदिता नहीं कर पाएंगे। इनके अलावा भी कई अन्य क्षेत्र हैं।

रूस ने कीव पर रातभर दागे ड्रोन और मिसाइलें 13 लोगों की मौत, 130 से ज्यादा घायल

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर बुधवार रातभर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि मरने वालों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। इसके अलावा हमले में 132 लोग घायल भी हुए हैं

कीव । यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, घायल लोगों में 14 बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें एक पांच महीने की बच्ची भी है। सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार, रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ये अब तक का सबसे बड़ा हमला है, जिसमें एक साथ इतने बच्चे घायल हुए हैं।

हमले में नौ मंजिला इमारत का हिस्सा ढहा कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में एक नौ मंजिला इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने में लगे हुए हैं। वहीं, क्षतिग्रस्त इमारत में रहने वाली 35 वर्षीय याना झाबोरोवा ने बताया कि तेज धमाकों की आवाज से उनकी नींद खुल गई। उन्होंने देखा कि हमलों की वजह से घर के दरवाजे और खिड़कियां टूट गईं। पांच महीने के शिशु और पांच साल के बच्चे की मां झाबोरोवा ने कहा, 'यह सिर्फ तनाव और सदमा है, कुछ भी नहीं बचा है।'

कीव में 100 से ज्यादा इमारतें क्षतिग्रस्त

तकाचेंको ने बताया कि कीव में कम से कम 27 जगहों पर हमला हुआ है, जिसमें सोलोमियांस्की और स्वियातोशिनस्क्यी जिलों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि कीव में 100 से ज्यादा इमरातें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें घर, स्कूल, किंडरगार्टन, चिकित्सा केंद्र और विश्वविद्याल शामिल हैं। रूस ने रातभर में 309 ड्रोन और 8 क्रूज मिसाइलें दागीं यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने रातभर में कुल 309 ड्रोन और 8 क्रूज मिसाइलें दागीं। इनमें से यूक्रेनी सेना ने 288 ड्रोन और तीन मिसाइलों को रोक दिया। लेकिन पांच मिसाइलें और 21 ड्रोन अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे। डेनेट्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख वादिम फिलाश्किन के अनुसार, रूसी सैनिकों ने पूर्वी यूक्रेनी शहर क्रामाटोर्स्क में एक पांच मंजिला आवासीय इमारत पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 11 अन्य घायल हो गए।

20 करोड़ डॉलर की लागत से बनेगा व्हाइट हाउस स्टेट बॉलरूम, 650 लोगों के बैठने की होगी क्षमता

वॉशिंगटन । अमेरिका के व्हाइट हाउस में अब एक नया और बड़ा बॉलरूम बनाया जाएगा। व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को इसकी घोषणा की। इसका नाम व्हाइट हाउस स्टेट बॉलरूम होगा। इसका क्षेत्रफल करीब 90,000 वर्ग फीट होगा और इसमें 650 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। अभी व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में केवल 200 लोगों के बैठने की जगह है। व्हाइट हाउस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि 150 वर्षों से राष्ट्रपति, प्रशासन और व्हाइट हाउस के कर्मचारी व्हाइट हाउस परिसर में एक ऐसे बड़े आयोजन स्थल की जरूरत महसूस कर रहे थे, जिसमें वर्तमान में अनुमत संख्या से कहीं अधिक अतिथियों को समायोजित किया जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस जरूरत को समझते हुए इसे पूरा करने का वादा किया है।

बयान में कहा गया कि व्हाइट हाउस दुनिया की सबसे खूबसूरत और ऐतिहासिक इमारतों में से एक है, फिर भी व्हाइट हाउस वर्तमान में विश्व नेताओं और अन्य देशों के सम्मान में आयोजित होने वाले बड़े समारोहों की मेजबानी करने में असमर्थ है, क्योंकि इसके लिए उसे मुख्य भवन के प्रवेश द्वार से लगभग 100 गज दूर एक बड़ा तंबू लगाना पड़ता है। इसलिए अब यह नया बॉलरूम बनाया जा रहा है, जो सुंदर और सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। बयान में कहा गया है कि हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बॉलरूम के डिजाइन और योजना पर चर्चा करने के लिए कई बैठकें कीं। इसमें व्हाइट स्टाफ, राष्ट्रीय उद्यान सेवा, व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय और सीक्रेट सर्विस के लोग शामिल थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने मैकक्रेरी आर्किटेक्ट्स को मुख्य वास्तुकार के रूप में चुना है, जो अपने शास्त्रीय वास्तुशिल्प डिजाइन के लिए प्रसिद्ध है।

मेरी सोच है कि तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा... : प्रमोद कुमार गुप्ता

नंबरिंग मशीन की मरम्मत से अत्याधुनिक प्रतिष्ठित स्कूल चलाने तक का सफर तय किया प्रमोद कुमार गुप्ता ने

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। प्रमोद कुमार गुप्ता अलीगढ स्थित विज्डम पब्लिक स्कूल के चेयरमैन है। उनकी कई फैक्ट्रियां है, जहां नंबरिंग मशीन से लेकर कई इनोवेटिव प्रॉडक्ट्स तैयार किए जाते हैं। भारत सरकार भी उनके प्रॉडक्ट्स खरीदती है। वे अलीगढ रोटरी क्लब के अध्यक्ष है और कई समाजिक कार्यों से जुडे हुए है। करंट क्राइम स्पॉटलाइट में दीपक जोशी ने उनसे विस्तार से बात की।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को आदर्श मानने वाले प्रमोद गुप्ता के भांजे ने बनाया शारदा यूनिवर्सिटी को

प्रश्न- आपकी शुरुआती जीवन के बारे में हमारे पाठकों को बताइए?

उत्तर- मैं एक किसान परिवार में पैदा हुआ हूं। उस समय किसानों की हालत ठीक नहीं हुआ करती थी, क्योंकि सिंचाई के साधन नहीं थे। अगर पानी आ गया तो फसलें ठीक होती थी, अगर पानी नहीं आया तो सूखा पड गया। बहुत ही मुश्किलात हुआ करती थी। पिताजी गांव के मुखिया था। उनके पास अच्छी खासी जमीन थी। उन्होंने जमीन बेचकर बेटियों की शादी की। जब मैं बडा हुआ तो जमीन बहुत ही थोडी रह गई थी। मैंने पांचवी तक की पढाई गांव में ही की। जब मैं रोटरी क्लब अलीगढ का प्रेसीडेंट बना तो पहले दिन की शुरूआत गांव के स्कूल से की। वह स्कूल काफी पुराना और स्थिति जर्जर हो गई थी। चार साल पहले हमने वहां पांच कमरे बनाए। रोटरी क्लब की ओर से स्कूली बच्चों को बैग दिया गया।

प्रश्न- बड़ी कमाल की बात है कि बच्चों के पास सारे संसाधन है। जैसा कि आपने कहा कि बोरियों को सिलकर स्कूल बैग बनाए जाते थे। आज भी सभी स्कूलों में अच्छी सुविधाएं नहीं है। क्या कहेंगे आप?

उत्तर- बेसिक शिक्षा विभाग ने स्कूलों की स्थिति काफी अच्छी कर दी है। प्राइवेट स्कूल या सरस्वती विद्यालयों में सुविधाएं बहुत है। सरकार की ओर से बैग के लिए 150 रुपए दिए जाते हैं, जो पैरेंट्स के खाते में जाते है। पैरेंट्स इसका उपयोग खुद के लिए कर लेता है, बच्चे को बैग नहीं मिल पाता है।

प्रश्न- पहले आपने बिजनेस शुरू किया तो क्या आपके पास संसाधन थे? आपने कैसे शुरूआत की?

उत्तर- देखिए आज की स्थिति बिल्कुल अलग है। बैंक फाइनेंस कर देता है। उस जमाने में ऐसा कुछ भी नहीं था। जब मैनें 1976 में मैकेनेकिल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया तो उस समय मेरे पार्टनर से मुलाकात लक्ष्मण प्रसाद से हुई। उन्होंने कहा कि एक जैन साहब है, जो साउथ में रहते हैं, वे नंबरिंग मशीन बनाते थे। उस समय तमिलनाडू में हिन्दुओं पर अत्याचार होता था तो हमने सोचा कि क्यों ना तमिलनाडू में कंपनी खोली जाए। उस विचार के साथ मुझसे प्रस्ताव दिया, उस समय मैं महज बीस साल का था। उन्होंने मुझसे बीस सवाल पूछे जिनमें से 18 का जवाब मैंने दिया। तो उन्होंने अपने बेटों से कहा, देखों इन्होंने सारे सही जवाब दिए और तुम नहीं दे पाए। इसके बाद उन्होंने अपने घर पर रखने का फैसला किया। एक महीने तक नंबरिंग मशीन क्या होती है, यह जान पाया। उन्होंने एक सीख दी कि जिंदगी में कभी कोई शौक मत पाला करो। वहां सबक किया कि किसी चीज को हैबिट मत बनाओ। वहां से सीखकर आने के बाद अलीगढ में एक नंबरिंग मशीन की मरम्मत का काम शुरू किया। इसके बाद फिर चेन्नई गया और टाईफाई नंबरिंग मशीन की मरम्मत के लिए तीन दिन का कोर्स किया। टाईफाई मशीन से बैलेट पेपर्स छपते थे। इसके बाद सरकार की ओर से सभी नंबरिंब मशीनों को रिपेयर करने का काम मिल गया। इससे अच्छी आमदनी होने लगी।

इसके बाद यमुनानगर में नबंरिंग मशीन की एक फैक्ट्री खरीदी। आज हमारा ब्रांड पूरे एशिया में फेमस है और काफी आर्डर मिलते है। आज हमारा प्रॉडक्ट न्यूमेस के नाम से पूरे देश में फेमस है। देश के अलावा पूरी दुनिया के देशों में जा रहा है।

प्रश्न- जब आपने एजुकेशन पूरा किया तो तब तो पूरे भारत में एक ही उद्देश्य होता है कि नौकरी की जाए लेकिन आपने नौकरी के बजाय आपने खुद की कंपनी स्थापित करने का फैसला किया। ऐसा क्यों?

उत्तर- मैंने 1976 में इंजीनियरिंग डिप्लोमा पास किया तो मेरी सिंचाई विभाग में नौकरी लगी। बीएचईएल से भी ऑफर थी। इस बीच मैंने ट्रेनिंग ले ली थी। मुझे लगा कि यहां क्या हाथ काले पीले कर रहा हूं। मैं मौसी जी के पास रहता था। मौसी ने कहा, नौकरी में कहां फिरेगा, अपने काम में आगे बढो। ईश्वर ने चाहा तो इसी में बहुत तरक्की होगी।

प्रश्न- कॉरपोरेट सेक्टर में कामयाबी हासिल करने के बाद एजुकेशन में फिर क्यों आए?

उत्तर- 2003 में मेरे भांजे प्रदीप कुमार गुप्ता, जो शारदा यूनिवर्सिटी के चांसलर भी है, उन्होंने प्रस्ताव दिया कि स्कूल खोला जाए। उन्होंने कहा कि आपके पास पैसा और जमीन भी है। शिक्षा देना महादान है। पैरेंटस आत है और पैसा देता है। मेरे मन में यह बात अपील की। 2003 में छोटी सी जमीन पर स्कूल खोला। पहले ही साल में 376 बच्चे मिल गए। धीरे धीरे स्कूल प्रोग्रेस करता रहा। जल्द ही 1000 बच्चे हो गए। इसमें मेरे पार्टनर है महेश चंद गुप्ता जो मेरे क्लासमेट भी रहे। 1978 से वे हमारे पार्टनर है।

प्रश्न- एजुकेशन सेक्टर में कुछ रिफॉर्म भी देखते हैं?

उत्तर- दुनिया में बदलाव होते हैं। अगर आपने बदलाव नहीं किए तो पीछे रह जाएंगे। विज्डम स्कूल में हमने इनोवेशन किया है। यहां हमने बच्चों के चार हाउस बनाए है। उनके बीच इंटरैक्शन कराते है। हर साल साइंस एग्जीविशन लगाते हैं, जहां दूसरे स्कूलों के बच्चे भी आते है। आरएंड डी में आर्थिक मदद भी की जाती है। एक छात्र के मॉडल को भोपाल में सिलेक्ट किया गया है।

प्रश्न- आपका स्कूल सीबीएईसी के टॉप टेन में शामिल है। इसके पीछे का क्या राज है?

उत्तर- पिछले साल हमारे बच्चे सीबीएसई के टॉप टेन में से छठां स्थान हासिल किया। हमेशा सीबीएसई में टॉप टेन में कोई ना कोई स्थान हासिल करता है। मेरी सोच है कि तेरा तुझको अर्पण सा लागे मेरा। मेरा सिंपल लाइव है। दो सौ गज के मकान में रहता हू। आज भी फैक्ट्री में वर्करों के साथ रहता हूं।

प्रश्न- स्कूल को आपने बहुच उंचा किया लेकिन अपनी लाइफ को बहुत सिंपल रखा। इसके पीछे का क्या कारण है?

उत्तर- मैं अपनी पर्सनल लाइफ को शानो शौकत में जीने के बजाय स्कूल में सुविधाएं बढाने पर जोर देता हूं। मेरे स्कूल में हर सुविधा विश्वस्तर की है। एयरपोर्ट जैसा वॉशरूम है। अगर मैं अपने पर खर्च करता तो स्कूल के लिए कैसे कर पाता।

प्रश्न- आपके और कौन-कौन से शौक है? क्या आप पार्टी करने और मूवी देखने के शौकिन है।

उत्तर- नहीं, ये मेरे शौक नहीं है। मेरे शौक समाजसेवा के हैं। अग्रवाल समाज के ज्यादातर संगठनों का अध्यक्ष व महामंत्री रहा। रोटरी क्लब में सक्रिय है। यह रोटरी क्लब 3110 का सबसे बडा क्लब है। इसका मैं प्रेसीडेंट हूं। पहले दिन ही मैंने तय किया कि इंस्टॉलेशन नहीं करूंगा। कई तरह के समाजिक कार्य किए जा रहे है।

प्रश्न- आपका अगला कदम क्या है। क्या आप यूनिवर्सिटी बनाने का विचार कर रहे है?

उत्तर- नहीं, अब मैं 70 का हो गया हूं। अब मैंने बेटों पर जिम्मेदारियां दे दी है। एक बेटा बंगलुरु में आईबीएम में है। दो बेटे स्कूल को देखते हैं। मैंने एक फार्महाउस बना रखा है। वहां कृषि कार्य करता हूं।

प्रश्न- उद्योग को आगे बढाने के लिए आपके पास और क्या प्लान है?

उत्तर- उद्योग तो अच्छा चल रहा है। हमेशा कुछ ना कुछ नया करते रहना चाहिए। हमने ऑनलाइन कोडिंग मशीन बनाई है। नाइजेरिया में हमने नई मशीन बनाई है।

प्रश्न- रिसर्च कौन करते है।

उत्तर- रसर्च हम लोग ही करते हैं। मेरे पार्टनर एमसी गुप्ता जी और मैं करता हू। बहुत सी चीजें कस्टमर सीखाती है जो कस्टमर डिमांड करते है, वो हम बनाने का प्रयास करते है, इसमें कामयाबी मिलती गई।

प्रश्न- कहते है कि शारदा यूनिवर्सिटी को बनाने में आपकी बडी भूमिका है

उत्तर- शारदा मेरी सबसे बडी बहन थी। वह इतनी अच्छी थी कि वह मुझे भैया न कहकर बेटा कहती थी। मैं एक बार आगर गया तो मेरे पास अच्छा स्वेटर नहीं था तो उन्होंने ओसवाल का बहुत बढिया स्वेटर दिया। उनके बेटे जब बढे हुए तो उन्होंने भांजों को मेरे पास भेजा। यहां उन्होंने इंजीनियरिंग और मेडिकल के सामानों के बारे में सीखा। इसके बाद मेरे भांजों ने खुद की इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने का फैसला लिया। जमीन मिल गई और इंजीनियरिंग कॉलेज खोल दिया। ईश्वर की कृपा से इंजीनियरिंग कॉलेज चल गया।

प्रश्न- शारदा यूनिवर्सिटी स्थापित होने के बाद आपने अपना स्कूल खोला है?

उत्तर- नहीं, शारदा यूनिवर्सिटी तो बाद में बना। पहले इंजीनियरिंग कॉलेज बनने के बाद 2003 में स्कूल खोला। हर साल स्कूल में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाएगा। उनके नाम से स्कूल में एक हॉल का नाम रखा है। 400 लोगों के बैठने की व्यवस्था है।

प्रश्न- आपकी जिंदगी भी पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन से मिलती जुलती है। आपने कब से उन्हें फोलो करना शुरू किया?

उत्तर- मैंने उनकी एक दो पुस्तकें पढी है। मेरे एक पार्टनर उनके काफी करीबी मित्र थे। उनसे उनके संपर्क बने हुए थे। जब वे अलीगढ आते तो मैंने इस बारे में चर्चा की। जब वे आगरा हिन्दुस्तान कॉलेज आए थे तो उनसे मुलाकात की थी। तब उन्होंने कहा था कि समाज के लिए कुछ करो। शिक्षा एक ऐसा क्षेत्र है, जहां कुछ कर सकते हो। उनकी यह बात मुझे अच्छी लगी।

प्रश्न- आप छात्रों को मोटिवेट करते हैं?

उत्तर- हां कभी कभी छात्र अपनी समस्याओं को लेकर मेरे पास आते हैं। मैं उन्हें बताता हूं कि किस तरह खराब चीजों को अच्छी चीजों में बदला जा सकता है।

प्रश्न- क्या आप धार्मिक है?

उत्तर- मैं पूजा पाठ नहीं, कर्म पर विश्वास करता हूं। मेरी बहू ने कहा कि पापाजी मैं रोज एक घंटे के लिए मंदिर जाउंगी तो मैंने एग्री नहीं की। शायद एक घंटा घर में और कुछ नया करो तो नई बात होगी।

प्रश्न- आपने जो बिजनेस और स्कूल खडा किया है, क्या इसमें कभी रूकावटें आई हैं?

उत्तर- देखिए सरकारी रूकावटें तो आती रहती है। कभी अधिकारी आ गए कि वॉटर हार्वेस्टिंग नहीं है। जैसा समय है उसके अनुसार चलना पडता है।

प्रश्न- आप अपने पाठकों को सफलता के लिए क्या संदेश है

उत्तर- मैं आज भी मानता हू कि सीढी दर सीढी चढने में ज्यादा सफलता मिलती है। चीजों को पहले देखो, सोचो, अध्ययन करो। फिर धीरे धीरे आगे बढो। महान विभूतियों को आदर्श बनाए। किसी ने मुझसे पूछा कि गांधीजी और कलाम साहब के बीच किसे वेटेज देंगे तो मैंने कहा कि अब्दुल कलाम को दूंगा। कलाम साहेब सभी वर्ग सभी समाज के लिए मान्य है। जबकि गांधीजी के आलोचक भी बहुत थे। आपका टाइम टेबिल सही है तो उस पर चल रहे है तो अवश्य की कामयाबी मिलेंगी।

प्रश्न- सीबीएसई में अगर कोई रिफार्म कराना है तो क्या क्या रिफार्म कराएंगे?

उत्तर- देखिए, सीबीएसई में पिछले पांच साल में काफी बदलाव आए है। अब प्रैक्टिकल पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। गेम्स को कंपलसरी कर दिया है। स्कूलों पर भी सीबीएसई का दबाव है कि खेल के मैदान अच्छे हो। गेम्स की सुविधाएं होनी चाहिए।

प्रश्न- सीबीएसई ने अपने पैटर्न को चेंज किया। मार्क्स आधारित ग्रेडिंग को खत्म कर दिया था। फिर से उसे बदल दिया।

उत्तर- हां देखिए, इसका मैं समर्थन नहीं करता हूं। यह बहुत गलत था। अगर बच्चा फेल ही नहीं हो गा तो वह पढेगा नहीं है। अच्छे मार्क्स लाने वाले बच्चों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

प्रश्न- बच्चों में प्रतिस्पर्धा के लिए इस पैटर्न को अपनाया गया था?

उत्तर- जब बच्चा टेन पास करता है तो कहता है कि मुझे पीसीएम चाहिए तो मैं उनसे कहता हूं कि ऐसा क्यों। फिर मैं उदाहरण देकर समझाता हूं कि समय के साथ फैसला लेना चाहिए। 90 प्रतिशत लोगों को समझा पाता हूं।

'सम्भव अभियान' के अंतर्गत बेबी रानी मौर्य ने किया जनपद का भ्रमण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश शासन के महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की बेबी रानी मौर्य 'सम्भव अभियान' के अंतर्गत गाजियाबाद जनपद का भ्रमण किया। इस दौरान विभागीय योजनाओं की प्रगति, संचालन की जमीनी स्थिति एवं महिला तथा बाल कल्याण संबंधी कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी, साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मंत्री का यह भ्रमण महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण एवं पोषण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी एवं जनपद स्तर पर समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से किया जा रहा है।

मंत्री ने सम्भव अभियान की रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

करंट क्राइम। मंत्री बेबी रानी मौर्य द्वारा संभव अभियान की रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। कार्यक्रम में विधायक मोदी नगर डॉक्टर मंजू शिवाच, ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, चैनपाल सिंह जिला अध्यक्ष भाजपा के साथ जनपद के प्रतिनिधि तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी शशि वार्ष्णेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी पुष्कर, बाल विकास परियोजना अधिकारी स्वाति केसरवानी एवं आँगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या गणमान्य व बच्चे उपस्थित रहे।

भोजन में पोषक तत्वों को अनिवार्य रूप से लेना चाहिए : बेबी रानी मौर्य

करंट क्राइम। मंत्री बेबी रानी मौर्य ने ब्लॉक संसाधन केंद्र बीआरसी मोदीनगर (गाजियाबाद) पहुंची व दीप प्रज्वलित करते हुए 'सम्भव अभियान' कार्यक्रम शुभारम्भ किया। तत्पश्चात सामुदायिक गतिविधियों के अंतर्गत 5 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा 5 बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया तथा पोषण पोटली प्रदान की गयी। पिछले वर्ष संभव अभियान के माध्यम से कुपोषित श्रेणी से सामान्य श्रेणी में आए बच्चों, अभिभावकों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सराहना की गयी। महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत केक काट कर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। मंत्री द्वारा सभा को सभा को संबोधित करते हुए संभव अभियान की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिलाओं को अपने खाने का ध्यान रखना आवश्यक है उनको अपने खाने में पोषक तत्वों को लिया जाना आवश्यक हैं। जिससे की स्वस्थ बालक या बालिका का जन्म हो। उन्होने कहा कि 1 से 07 अगस्त तक स्तनपान सप्ताह के रूप मे मनाया जा रहा हैं।

लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने लिखा पुलिस आयुक्त को पत्र

पवित्र श्रावण माह में धार्मिक भावनाओं का सम्मान न करने पर चिंता जताई

लोनी, करंट क्राइम। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिख कर श्रावण माह में मीट की दुकानें, मस्जिदों से ध्वनि प्रदूषण व लोनी तिराहा अतिक्रमण पर की कार्रवाई की मांग। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पवित्र श्रावण माह के दौरान धार्मिक भावनाओं का सम्मान न करने पर चिंता जताते हुए पुलिस आयुक्त गाजियाबाद को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा है कि : (1) श्रावण माह में खुले हुए मीट की दुकानों व मांसाहारी होटलों पर तत्काल रोक लगे। (2) लोनी तिराहे पर रेहड़ी-खोमचों का अतिक्रमण हटाया जाए। (3) मस्जिदों से हो रहे ध्वनि प्रदूषण पर कार्रवाई की जाए। (4) जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की संलिप्तता की जांच कर सख्त कार्यवाही की जाए। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा : श्रावण माह में धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन को सख्त कार्यवाही करनी चाहिए।

सीडीओ अभिनव गोपाल ने कोल्ड स्टोरेज स्वामियों से किया गोआश्रय स्थलों को गोद लेने का आह्वान

गोआश्रय स्थलों को मॉडल गौशाला बनाने में करें आर्थिक सहयोग : अभिनव गोपाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल द्वारा कोल्ड स्टोरेज स्वामियों से गौ आश्रय स्थलों को गोद लेकर मॉडल गौशाला बनाने में आर्थिक सहयोग करने का आह्वान किया गया। दुर्गावती देवी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जनपद के 15 कोल्ड स्टोरेज स्वामियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित 15 गोआश्रय स्थल में आर्थिक समस्या के कारण शेड की व्यवस्था एवं प्रबंधन, गोवंश उत्पाद निर्माण यथा दुग्ध, गोबर से निर्मित उत्पाद, हरा चारा उत्पादन, गोबर से बिजली उत्पादन का कार्य नही हो पा रहा है।

गोआश्रय स्थलों की कमियों को दूर कर स्वावलंबी बनाया जाना अति आवश्यक : सीडीओ

करंट क्राइम। गोआश्रय स्थल स्वावलंबी नहीं है। इन गोआश्रय स्थलों की कमियों को दूर कर स्वावलंबी बनाया जाना अतिआवश्यक है। पूर्व में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक बैठक की गई थी जिसमें विभिन्न गौशाला संचालकों एवं विशेषज्ञों के विचार गोशाला को स्वावलंबी बनाने के लिए गए थे। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार गौशाला को स्वावलंबी बनाने के लिए गोआश्रय स्थलों पर सेड के निर्माण को सुधार करने, चहारदीवारी निर्माण, चारा काटने की मशीन लगवाने, गोबर के सही इस्तेमाल के लिए आवश्यक मशीनरी क्रय करने एवं जनता की आस्था के अनुरूप पूजा स्थल निर्माण कराने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने एवं एक—एक गोआश्रय गोद लेकर कमियों को दूर कराने एवं आवश्यक निर्माण कराने की अपील की। सभी कोल्ड स्टोरेज स्वामियों द्वारा पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया गया। कोल्ड स्टोरेज स्वामियों द्वारा आर्थिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया एवं सहयोगी कोल्ड स्टोरेज का नाम गोआश्रय स्थलों पर बोर्ड लगाकर प्रदर्शित किया जाएगा तथा प्रसस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एवं जिला उद्यान अधिकारी भी मौजूद रहे। अगले सप्ताह गोआश्रय स्थलो भ्रमण कोल्ड स्टोरेज स्वमियों द्वारा किया जाएगा एवं गोद देने की कार्यवाही की जाएगी।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी विवेक त्यागी के सुपुत्र दक्ष त्यागी का 20 वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एक भंडारे का आयोजन किया गया। समाज के गणमान्य लोगों ने दक्ष त्यागी को उनके जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

करुण ने आठ साल बाद खेली 50+ रन की पारी

सुंदर के साथ छठे विकेट के लिए नाबाद 51 रन की साझेदारी

मुंबई। भारतीय टीम में वापसी कर रहे करुण नायर ने अर्धशतक जड़ा, लेकिन गस एटकिंसन और जोश टंग की धारदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित पहले दिन मेहमान टीम का पहली पारी में स्कोर छह विकेट पर 204 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा। एटकिंसन (31 रन पर दो विकेट) और टंग (47 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने भारत ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और गेंदबाजी की अनुकूल परिस्थितियों में नायर के अलावा उसका कोई अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। बारिश के कारण पहले दिन 64 ओवर का ही खेल संभव हो पाया। यह करुण के टेस्ट करियर का दूसरा 50+ स्कोर है। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ ही नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उनकी यह पहली 50+ रन की पारी है।

भारत ने 153 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद नायर (नाबाद 52 रन, 98 गेंद, सात चौके) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 19 रन) ने सातवें विकेट के लिए 51 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को वापसी दिलाने का प्रयास किया। भारत के लिए पहले दो सत्र की तरह तीसरे सत्र में भी शुरूआत अच्छी नहीं रही। एक छोर पर टिककर खेल रहे साई सुदर्शन (38) टंग की शानदार आउटस्विंगर पर विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों लपके गए जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 101 रन हो गया।

नायर ने टंग के अगले ओवर में दो चौके मारे लेकिन इस तेज गेंदबाज ने रविंद्र जडेजा (09) को स्मिथ के हाथों कैच कराके भारत को पांचवां झटका दिया। जडेजा ने चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद शतक जड़कर वाशिंगटन के साथ मिलकर भारत को हार से बचाया था। ध्रुव जुरेल 19 रन की पारी के दौरान अच्छी लय में नजर आए। वह गस एटकिंसन की अंदर आती गेंद पर पगबाधा होने से बचे लेकिन अगली गेंद पर दूसरी स्लिप में हैरी ब्रूक को कैच दे बैठे।

नायर ने जेमी ओवरटन पर लगातार दो चौकों के साथ दबाव कम करने का प्रयास किया। नायर और वाशिंगटन ने इंग्लैंड के गेंदबाजों का डटकर सामना किया। नायर ने 62वें ओवर में जैकब बेथेल की गेंद पर दो रन के साथ 89 गेंद में अपने करियर का पहला अर्धशतक पूरा किया और साथ टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। इससे पहले बारिश के कारण लंच और चाय के बीच सिर्फ छह ओवर का खेल हो गया जिसमें भारत ने कप्तान शुभमन गिल (21) का विकेट गंवाकर 13 रन बनाए। लंच से पहले अचानक आई बारिश के कारण दूसरे सत्र का खेल स्थानीय समयानुसार दोपहर तीन बजे शुरू हुआ। क्रीज पर नजर जमाने के बाद गिल ने एटकिंसन की गेंद पर गैर जरूरी रन लेने का प्रयास किया और इस तेज गेंदबाज ने उन्हें रन आउट कर दिया। इसके कुछ देकर बाद फिर बारिश होने लगी और खिलाड़ियों को वापस लौटना पड़ा जिसके कुछ देकर बाद चाय का ब्रेक लिया गया। गिल मौजूदा सीरीज में अब तक 743 रन बना चुके हैं और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पछाड़कर एक श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। गावस्कर ने 1978-79 की टेस्ट श्रृंखला में वेस्टइंडीज के खिलाफ 732 रन बनाए थे।

भारत ने घास की मौजूदगी वाली पिच पर सुबह के सत्र में अपने सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के विकेट गंवाए लेकिन लंच तक दो विकेट पर 72 रन बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया। सीरीज की अब तक की सबसे अधिक घास की मौजूदगी वाली पिच पर इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गिल ने मौजूदा सीरीज में पांचों बार टॉस गंवाया।

पांचवें टेस्ट के बीच इंग्लैंड को तगड़ा झटका, क्रिस वोक्स चोट के कारण बाहर हुए; ईसीबी ने दी जानकारी

इंग्लैंड। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने कहा कि उनके साथी ऑलराउंडर क्रिस वोक्स की चोट अच्छी नहीं लग रही है जो भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन कंधे की चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। गुरुवार को मैच के पहले दिन करुण नायर के शॉट पर बाउंड्री बचाने के प्रयास में वोक्स चोटिल हो गए थे और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। अब इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की जानकारी दी है कि वोक्स इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे।

वोक्स जब मैदान से बाहर गए तो उनका बायां हाथ स्वेटर में लिपटा हुआ था और वह दर्द से कराह रहे थे। एटकिंसन ने बारिश से प्रभावित पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, 'मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं जानता, लेकिन यह बहुत अच्छा नहीं लग रहा है। यह बहुत निराशाजनक है। यह सीरीज का आखिरी मैच है और जब कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो अच्छा नहीं लगता है। मुझे उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा।

वोक्स ने मौजूदा टेस्ट में अब तक 14 ओवर गेंदबाजी की है और 46 रन देकर केएल राहुल का महत्वपूर्ण विकेट लिया है। वोक्स की चोट ने इंग्लैंड की चिंता बढ़ा दी है जिसे कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिल रही हैं, जिनमें कप्तान बेन स्टोक्स भी शामिल हैं, जो कंधे की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल रहे हैं।

एटकिंसन ने पहले दिन 19 ओवरों में दो विकेट लिए और वह वोक्स की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी संभालने के लिए आश्वस्त दिखे। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं जानता हूं कि मुझे केवल एक ही मैच खेलना है, इसलिए मैं अपनी सीमाओं को थोड़ा बढ़ा सकता हूं।'

पहले दिन का खेल

ओवल टेस्ट के पहले दिन 64 ओवर का खेल ही हो पाया। बारिश से बाधित रहे इस दिन में भारतीय टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 204 रन बना लिए हैं। करुण नायर 52 रन और वॉशिंगटन सुंदर 19 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक 51 रन की साझेदारी हो चुकी है। यह करुण के टेस्ट करियर का दूसरा 50+ स्कोर है। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ ही नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उनकी यह पहली 50+ रन की पारी है।

भारत की पारी

इससे पहले यशस्वी जायसवाल दो रन और केएल राहुल 14 रन बनाकर आउट हुए थे। कप्तान शुभमन गिल 21 रन बनाकर रन आउट हुए। साई सुदर्शन 38 रन बना सके। रवींद्र जडेजा नौ रन और ध्रुव जुरेल 19 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की ओर से गस एटकिंसन और जोश टंग ने अब तक दो-दो विकेट लिए हैं। वहीं, क्रिस वोक्स को एक विकेट मिला। वोक्स को कंधे में चोट लगी और वह दर्द से खेल के बीच में ड्रेसिंग रूम में वापस लौट गए थे।

ईशा ग्रामोत्सव 2025: छह राज्यों में भारत का सबसे बड़ा ग्रामीण खेल महोत्सव, 50 हजार से अधिक खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली। ईशा ग्रामोत्सव 2025 इस बार और भी बड़े स्वरूप में आयोजित हो रहा है। यह महोत्सव अब आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, पुडुचेरी और पहली बार ओडिशा के 35,000 से अधिक गांवों तक पहुंचेगा। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को खेलों के माध्यम से सशक्त बनाना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

50 हजार से अधिक खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

1 अगस्त 2024 से शुरू होने वाला यह महोत्सव, ग्रामीण भारत के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक है, जो सद्गुरु की प्रेरणा से शुरू हुआ। इस बार 50,000 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें 5,000 से अधिक महिलाएं होंगी। इसमें कबड्डी, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, फुटबॉल जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। चयनित टीमें राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेंगी, और 21 सितंबर 2025 को तमिलनाडु में भव्य समापन होगा। प्रतिभागियों के लिए कुल 67 लाख रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों को बराबरी का अवसर मिलेगा।

ईशा फाउंडेशन की सार्थक पहल

ईशा फाउंडेशन का उद्देश्य खेलों के माध्यम से लोगों को जीवन की ऊर्जा और उत्साह से जोड़ना है। यह आयोजन न केवल खेल प्रतियोगिता है, बल्कि यह ग्रामीण जीवन, संस्कृति और सामूहिकता का उत्सव भी है। इसमें नाट्यकला, लोक संगीत, पारंपरिक खेल, सिलंबम, कुश्ती जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल हैं। इसका आयोजन ईशा आउटरीच कर रहा है जिसे भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल संवर्धन संगठन (एनएसपीओ) के रूप में मान्यता दी गई है। यह महोत्सव सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों का समर्थन प्राप्त कर चुका है।

खालिद जमील बने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच, एआईएफएफ ने किया ऐलान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) ने खालिद जमील को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया है। शुक्रवार को एआईएफएफ ने इसका एलान किया। खालिद ने 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब दिलाया था। 13 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है।

तीन लोगों की सूची में से चुना गया

पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अन्य दो दावेदार भारत के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। स्टीफन पहले स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे।

राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में सेवा देने वाले अंतिम भारतीय सावियो मेडेइरा थे, जिन्होंने 2011 से 2012 तक यह पद संभाला था। जमील की नई भूमिका में पहला काम सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप होगा, जो 29 अगस्त से ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में खेला जाएगा।

विजयन की अध्यक्षता वाली समिति ने चुना

महान स्ट्राइकर आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने कार्यकारी समिति के अंतिम निर्णय के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। जमील स्पेन के मनोलो मार्केज का स्थान लेंगे, जिन्होंने भारत के हालिया संघर्षों के बाद पिछले महीने एआईएफएफ से नाता तोड़ लिया था।

हार्टअटैक से ही हुई हल्क होगन की मौत, फ्लोरिडा के मेडिकल परीक्षक की रिपोर्ट हुई पुष्टि

फ्लोरिडा। महान अमेरिकी रेसलर हल्क होगन की पिछले सप्ताह हार्टअटैक से ही मौत हुई थी। इस बात की पुष्टि फ्लोरिडा के मेडिकल परीक्षक की बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को जारी रिपोर्ट में हुई है।

मेडिकल परीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार, जब हल्क होगन की मौत हुई, तब वह 71 साल के थे और उनका असली नाम टेरी बोलिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पहले से ही ब्लड कैंसर (ल्यूकेमिया) और दिल की धड़कन की बीमारी (एट्रियल फिब्रिलेशन) थी।

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने उन्हें सम्मान देने के लिए शुक्रवार को 'हल्क होगन दिवस' घोषित किया है। इस दिन फ्लोरिडा के सभी सरकारी भवनों पर झंडे आधे झुकाए जाएंगे। रिपब्लिकन गवर्नर ने कहा कि हल्क होगन एक सच्चे फ्लोरिडावासी थे।

पुलिस के मुताबिक, 24 जुलाई की सुबह जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा, तो डॉक्टर क्लियरवॉटर स्थित उनके घर पहुंचे। लेकिन 90 मिनट से भी कम समय में उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि मौत 'स्वाभाविक कारणों' से हुई। हल्क होगन की पत्नी स्काई डेली ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें उम्मीद थी कि होगन अपनी बीमारियों से उबर जाएंगे, लेकिन यह सब अचानक हो गया। उन्होंने कहा, 'दुनिया के लिए वह एक सुपरस्टार थे, लेकिन मेरे लिए वह मेरे टेरी थे।'

हल्क होगन डब्लूडब्लूई के सबसे बड़े सितारों में से एक माने जाते थे। 1985 में पहले रेसलमेनिया में वह मुख्य आकर्षण थे और उन्होंने कई बड़े पहलवानों से मुकाबला किया था- जैसे आंद्रे द जाइंट, द रॉक, और विंस मैकमोहन।

डब्लूडब्लूई के बड़े सितारों में से एक थे हल्क होगन

हल्क होगन डब्लूडब्लूई हहए के सबसे बड़े सितारों में से एक माने जाते थे। 1985 में पहले रेसलमेनिया में वह मुख्य आकर्षण थे और उन्होंने कई बड़े पहलवानों से मुकाबला किया था- जैसे आंद्रे द जाइंट, द रॉक, और विंस मैकमोहन। उनकी बेटी ब्रुक बोलिया ओलेक्सी, जिन्हें ब्रुक होगन के नाम से जाना जाता है, ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने पिता को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं बहुत आभारी हूं कि मैं उनके असली रूप को जानती थी। सिर्फ उस रूप को नहीं जिसे दुनिया ने एक खास नजरिये से देखा।' होगन के अंतिम संस्कार की योजना अभी तक सार्वजनिक रूप से घोषित नहीं की गई है।

कोको गॉफ की एक और संघर्षपूर्ण जीत अंतिम 16 में पहुंचीं, कुदेरमेतोवा को हराया

मास्को। कोको गॉफ को फिर से अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा लेकिन 14 डबल-फॉल्ट करने के बावजूद वह रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूनामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही।

पिछले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट और तीसरे सेट के टाईब्रेकर से बचने के दो दिन बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त गॉफ ने कुदेरमेतोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से पराजित किया। गॉफ का मुकाबला अब कनाडा की 18 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की की मैरी बोजकोवा को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया।

अमेरिका की मैककार्टनी केसलर ने चौथी वरीयता प्राप्त रूस की मीरा एंड्रीवा को 7-6 (5), 6-4 से हराकर उलटफेर किया। अगले दौर में केसलर का सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक ने ऑस्ट्रेलिया की 15वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना को 3-6, 6-3, 7-6 (4) से हराया।

यूक्रेन की दयाना यास्त्रेम्स्का ने आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को 7-5, 6-4 से हराया। उनका सामना अब कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन को 6-0, 7-6 (5) से पराजित किया। एक अन्य मैच में दसवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने रूस की कामिला राखीमोवा को 7-5, 6-2 से हराया।

भारतीय पहलवान रचना और अश्विनी अंडर-17 विश्व चैंपियन, मोनी उपविजेता

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान रचना (43 किग्रा) और अश्विनी विश्नोई (65 किग्रा) गुरुवार को अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में चैंपियन बनीं, जबकि मोनी महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक से चूक गईं। रचना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में चीन की शिन हुआंग को 3-0 से हराया जबकि अश्विनी ने उज्बेकिस्तान की मुखय्यो राखिमजोनोवा को इसी अंतर से मात दी।

मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कोमल वर्मा ने 49 किग्रा वर्ग में देश को कांस्य पदक दिलाया। उन्होंने कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में एनहेलिना बुर्किना को 8-3 से हराया।

भारत के कम से कम दो और पदक पक्के हो गए हैं जिसमें यशिता (61 किग्रा) और काजल (73 किग्रा) खिताबी मुकाबले में उतरेंगी जबकि मनीषा 69 किग्रा में कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगी। हालांकि, गुरुवार को सभी भारतीय पहलवान पोडियम तक नहीं पहुंच पाए। प्रीति यादव (40 किग्रा) और कशिश गुर्जर (46 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में क्रमशः मैसी अन्ना क्लेयर इलियट और जैकलिन रोज बुजाकिस से हारकर बाहर हो गईं। सारिका 53 किग्रा भार वर्ग में जापान की रियोन ओगावा से हारकर क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गईं।

'मैं आक्रामक खिलाड़ी हूं, दबाव के बारे में अधिक नहीं सोचती', बोलीं चेस विश्व कप चैंपियन दिव्या

नई दिल्ली। फिडे महिला शतरंज विश्व कप चैंपियन दिव्या देशमुख ने कहा कि वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं और उनके लिए दबाव अधिक मायने नहीं रखता। 19 वर्षीय दिव्या 28 जुलाई को जॉर्जिया के बातुमी में महिला विश्व कप जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। उन्होंने दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए फाइनल में टाईब्रेकर में कोनेरू हम्पी को हराया। इस जीत ने ना केवल उन्हें प्रतिष्ठित खिताब दिलाया, बल्कि उन्हें ग्रैंडमास्टर भी बना दिया।

नागपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए दिव्या ने कहा कि उनके लिए रणनीति और आक्रामक पोजिशन में जाना आसान है। दिव्या ने कहा, 'दबाव मेरे लिए अधिक मायने नहीं रखता। जो मायने रखता है वह है मेरी अपनी उम्मीदें और लक्ष्य।' अपनी आक्रामकता और मानसिक दृढ़ता के लिए पहचाने जाने वाले भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से अक्सर होने वाली तुलना के बारे में पूछे जाने पर दिव्या ने कहा, 'मुझे लगता है कि आक्रामकता हमेशा से मेरे खेल का हिस्सा रही है। मेरे लिए रणनीति और आक्रामक पोजिशन अपनाना आसान है। मुझे लगता है कि यही मेरी शैली है।'

दिसंबर में चीन के डिंग लिरेन हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने 18 साल के डी गुकेश के साथ समानताओं के बारे में पूछे जाने पर दिव्या ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम दोनों का अंत तक लड़ना सबसे बड़ी समानता है।'

पाकिस्तान ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को 14 रन से हराया, अयूब का अर्धशतक, नवाज चमके

वेस्टइंडीज। बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज ने एक ओवर में तीन विकेट लिए जिससे पाकिस्तान ने शानदार वापसी करके वेस्टइंडीज को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 14 रन से हराया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए सैम अयूब के 38 गेंदों पर 57 रन की बदौलत छह विकेट पर 178 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम इसके जवाब में अच्छी शुरूआत से बावजूद सात विकेट पर 164 रन ही बना सकी। इन दोनों टीमों के बीच दूसरा और तीसरा टी-20 मैच शनिवार और रविवार को लॉडरहिल में ही खेले जाएंगे।

सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स (35) और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्य कर रहे 18 वर्षीय ज्वेल एंड्रयू (35) ने पहले विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी करते वेस्टइंडीज को शानदार शुरूआत दिलाई लेकिन अपने पहले तीन ओवरों में 20 रन देने वाले नवाज ने नाटकीय ढंग से मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने 12वें ओवर की शुरूआत में एंड्रयू को आउट किया और फिर चौथी तथा पांचवीं गेंद पर चार्ल्स और गुडाकेश मोती (00) के विकेट चटकाए, जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर तीन विकेट पर 75 रन हो गया।

कप्तान शाई होप (02) ने अगले ओवर में अयूब की फुल गेंद पर कैच थमा दिया। इस तरह से वेस्टइंडीज ने पांच रन पर चार विकेट गंवा दिए। नवाज ने 23 रन देकर तीन जबकि अयूब ने 20 रन देकर दो विकेट लिए। जेसन होल्डर (12 गेंदों पर नाबाद 30 रन) ने चार छक्के लगाए और शमर जोसेफ ने 12 गेंदों पर नाबाद 21 रन बनाए लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया। पाकिस्तान की ओर से नवाज के अलावा अयूब ने दो विकेट लिए। वहीं, शाहीन अफरीदी और सूफियान मुकीम को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले पाकिस्तान के लिए अयूब के अलावा शाहिबजादा फरहान ने 14 रन, फखर जमां ने 28 रन और हसन नवाज ने 24 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा मोहम्मद नवाज ने नौ रन, कप्तान सलमान आगा ने 11 रन और फहीम अशरफ ने 16 रन बनाए। मोहम्मद हारिस छह रन और कप्तान आगा नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से शमार जोसेफ ने तीन विकेट लिए, जबकि होल्डर, अकील हुसैन और रोमारियो शेफर्ड को एक-एक विकेट मिला।